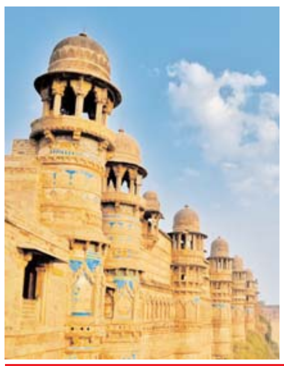

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

MPHIN/2021/83938

ग्वालियर: वर्ष: 4 : अंक:21 | ग्वालियर, 29 नवम्बर,बुधवार 2023 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

सुरंग में बाहर आए मजदूर तो घरों में हुई आतिशबाजी, 8 राज्य में परिजनों के गांवों में जश्न का माहौल

उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल में बीते 17 दिनों से फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया है, जिसके बाद देश भर में कई जगहों पर जश्न का माहौल है.उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में पिछले 17 दिनों से फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. जिससे देश भर में जश्न का माहौल हैं. पूरा देश इन श्रमिकों के सकुशल बाहर आने का इंतजार कर रहा था. परिवार के लोग पलकें बिछाए अपने लोगों का इन्तजार कर रहे थे. ऐसे में मजदूरों के बाहर आने के बाद मौके पर मौजूद कई लोगों की आंखें भर आई. परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं है. देश के आठ राज्यों के रहने वाले इन 41 श्रमिकों के यहां जश्न का माहौल है. एक मज़दूर के रिश्तेदार ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि वो पिछले दो हफ़्तों से इस दिन का इंतज़ार कर रहे थे. आज उनकी ?ुशी का ठिकाना नहीं है. सबसे ज्यादा जश्न का माहौल झारखण्ड में है, क्योंकि टनल के अंदर झारखंड के 15 लोग फंसे हुए थे. इसके साथ ही यूपी के 8, उत्तराखंड के 2, हिमाचल प्रदेश का एक , बिहार के 5, पश्चिम बंगाल के 3, असम के 2 और ओडिशा के 5 मजदूर फंसे हुए थे.

बांटी जा रहीं मिठाइयां–गौरतलब है कि दिवाली के दिन अचानक निर्माणाधीन सुरंग भूस्खलन के बाद धंस गई थी,जिसमें 41 मजदूर फंस गए हैं. इस हादसे के बाद से इन मजदूरों को टनल से बाहर निकालने का अभियान चलाया जा रहा रहा था. कई दिन बीत जाने की वजह से इनके परिजनों में निराशा और नाराजगी बढ़ रही थी. लेकिन अब इन श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाले जाने के बाद परिजनों के चेहरे ?ुशी से खिल उठे हैं. झारखंड के रहने वाले अनिल बेदिया के परिवार के सदस्यों ने उनके बाहर आने पर मिठाइयां बांटी हैं

जिस भी चीज की पड़ी जरूरत, पीएम मोदी के मार्गदर्शन से वो मिली, रेस्क्यू ऑपरेशन पर क्या बोले केंद्रीय मंत्री वीके सिंह?

उत्तरकाशी सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूर सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए हैं. सिलक्यारा सुरंग में मौजूद केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने एएनआई से बातचीत में कहा कि हमें जिस चीज की भी जरूरत पड़ी, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुहैया करवाई गई. उन्होंने कहा कि इस मिशन में जितने साधन जुटाए गए हैं, इतने साधन किसी और ऑपरेशन के लिए नहीं जुटाए गए होंगे.इससे पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विगत 17 दिनों से चल रहे इस रेस्?क?यू ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरी तरह नजर बनाए हुए थे. पुष्कर सिंह धामी ने खुद इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि पीएम मोदी हर रोज सिलक्यारा सुरंग रेस्क्यू ऑपरेशन से जुड़ी अपडेट ले रहे थे. बचाव अभियान के सफल होने पर भी पीएम मोदी ने सीएम धामी से बात की.मजदूरों का जिक्रकर की थी प्रार्थना करने की अपील-पीएम मोदी ने 27 नवंबर को तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान सुरंग में फंसे मजदूरों के लिए प्रार्थना करने का जिक्र किया था. इसके साथ ही पीएमओ की टीम भी मौके पर जायजा लेने पहुंची थी. पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम देवी-देवताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, मानवता के कल्याण की बात कर रहे हैं तो हमें अपनी प्रार्थना में उन श्रमिक भाईयों को भी स्थान देना है, जो बीते करीब दो सप्ताह से उत्तराखंड की एक टनल में फंसे हुए हैं.

पीएम मोदी ले रहे थे हर अपडेट–बचाव अभियान में लगी टीम के सदस्य कर्नल दीपक पाटिल ने एएनआई से कहा कि ये ऑपरेशन भारत की ताकत को दिखाता है. उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान किसी भी संसाधन की कमी नहीं हुई. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी लगातार संपर्क में थे और इस बात का ध्यान रख रहे थे कि सभी चीजें सही तरीके से हों.उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी कहा कि पीएम मोदी समय-समय पर फोन कर अपडेट ले रहे थे. उन्होंने बताया कि पीएमओ की टीम ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों की सुरक्षा के साथ-साथ बाहर राहत कार्य में लगे लोगों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाए.

पीएम मोदी ने रेस्क्यू किए गए मजदूरों से फोन पर की बात, जाना हाल-चाल

सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को सफलतापूर्वक निकाले जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यहां उन्हें कुछ समय के लिए रखा जाएगा. इस दौरान पीएम मोदी ने रेस्क्यू किए गए मजदूरों से फोन पर बात की. उन्होंने मजदूरों से उनका हाल चाल भी जाना.

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को फोन किया और मजदूरों की सुरक्षित निकासी पर उन्हें शुभकामनाएं दीं. इस दौरान पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री से मजदूरों की स्थिति की जानकारी भी ली.धामी ने उन्हें बताया कि पहले मजदूरों का हेल्थ चेकअप किया जाएगा और उसके बाद उन्हें अपने घर वापस भेजा जाएगा. धामी में पीएम मोदी को मजदूरों की वापसी के लिए किए गए इंतेजाम के बारे में भी विस्तार से बताया.

मजदूरों को ले जाया गया अस्पताल–धामी ने कहा कि उन्होंने पीएम को बताया कि रेस्क्यू के बाद सभी 41 मजदूरों को पहले

चिन्यालीसौड़ के अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनकी जांच की जाएगी. इस दौरान मजदूरों के परिवार के सदस्य भी चिन्यालीसौड़ जाएगें. इसके बाद राज्य सरकार उन्हें अपने घर भेज देगी. इसके लिए उत्तराखंड सरकार ने व्यवस्था भी कर ली है.सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन के कारण ही यह रेस्क्यू ऑपरेशन सफल हो सका है. उन्होंने कहा,केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सभी एजेंसियों के समन्वय से हम 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालने में सफल रहे.

12 नवंबर को सुरंग में फंस गए थे मजदूर–बता दें कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में 12 नवंबर को सिल्क्यारा टनल में काम कर रहे 41 मजदूर उस समय सुरंग में फंस गए थे, जब सुबह 5.30 बजे अचानक से भूस्खलन हुआ और टनल का एक हिस्सा ढह गया. इसके बाद मजदूरों को निकालने के लिए विदेशों से एक्सपर्ट बुलाए गए औक बड़ी-बड़ी मशीनों से भी काम किया गया और आखिर 17 दिन बाद मजदूरों को टनल से बाहर निकाल लिया गया.

टनल में फंसे 41 मजदूर महज कुछ ही देर में बाहर आ जाएंगे. इन मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कई ऐसे हीरोज हैं, जिन्होने युद्ध स्तर पर काम किया है.

उत्तरकाशी टनल हादसे में 17वें दिन बड़ी सफलता मिली है. अब महज कुछ ही देर में सुरंग के अंदर फंसे 41 मजदूर बाहर आ जाएंगे. ऐसे में टनल के बाहर मज़दूरों के रिश्तेदार, परिवार के लोग और परिजन उनके निकलने का इंतज़ार कर रहे हैं. इसके साथ ही पूरा देश उनकी सलामती की दुआएं कर रहा है. समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार,मज़दूरों को बाहर निकाले जाने के बाद इसी जगह पर उनकी शुरुआती मेडिकल देखभाल की जाएगी. इसके लिए वहां डॉक्टरों और विशेषज्ञों की टीम तैनात है. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाये हुए हैं. वे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से कॉल पर पल पल का अपडेट ले रहे हैं. पीएमओ के कई अधिकारी भी टनल के बाहर मौजूद है. बता दें कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और अन्य राज्य और केंद्रीय एजेंसियों को साइट पर तैनात किया गया है, जिनमें से कुछ लोग फंसे हुए 41 श्रमिकों के बचाव अभियान में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं. हालांकि हम उन महत्वपूर्ण नामों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाई है.

आइए, उनके बारे में जानते हैं.

आईएएस अधिकारी नीरज खैरवाल–आईएएस अधिकारी नीरज खैरवाल को सिल्कयारा सुरंग ढहने की घटना का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था और वह पिछले 10 दिनों से बचाव कार्यों की देखरेख और कमान संभाल रहे हैं. खैरवाल घंटे-घंटे पर रेस्क्यू स्थल से सीएमओ और पीएमओ को अपडेट दे रहे हैं. वह उत्तराखंड सरकार में सचिव भी हैं.

माइक्रो-टनलिंग विशेषज्ञ क्रिस कूपरक्रिस कूपर दशकों से एक माइक्रो-टनलिंग विशेषज्ञ के तौर पर काम कर रहे हैं. इन्हें ?ास तौर पर इस रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया है. ये 18 नवंबर को मौके पर पहुंचे थे. ऐसे में इनका अनुभव बेहह ही कारगर साबित हुआ है. कूपर ने ही कार्य को तेजी से पूरा कराए जाने पर जोर दिया. वह ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेल परियोजना के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार भी हैं.

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त), सदस्य, एनडीआरएफभारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल और एनडीआरएफ टीम के सदस्य सैयद अता हसनैन उत्तराखंड सुरंग दुर्घटना में राष्टीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की भूमिका की देखरेख कर रहे हैं. लेफ्टिनेंट जनरल हसनैन पूर्व में श्रीनगर में तैनात भारतीय सेना की जीओसी 15 कोर के सदस्य थे. इस रेस्क्यू अभियान में इनकी भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही ह

मतुआ आई कार्ड पर केंद्रीय मंत्री के बयान से शुरू हुआ बंगाल बीजेपी में विवाद,

अखिल भारतीय मतुआ महासंघ की ओर से मतुआ समुदाय के सदस्यों को जारी किए गए पहचान पत्र पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा के बयान से उनकी पार्टी के भीतर ही विवाद खड़ा हो गया है.मंत्री मिश्रा ने हाल में बयान दिया कि अखिल भारतीय मतुआ महासंघ की ओर से दलित मतुआ समुदाय के सदस्यों को जारी किए गए पहचान पत्र को पूरे भारत में एक आधिकारिक पहचान दस्तावेज के रूप में माना जाएगा, जब तक कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू नहीं हो जाता.एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर 24 परगना जिले के हरिनघाटा से बीजेपी विधायक असीम सरकार ने सार्वजनिक रूप से मंत्री अजय कुमार मिश्रा की घोषणा पर सवाल उठाया है

सुरंग में फंसे बंगाल के लोगों की वापसी के लिए सीएम ममता बनर्जी ने भेजी टीम, अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी किए शेयर

सलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों में शामिल पश्चिम बंगाल के मजदूरों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक टीम उत्तरकाशी भेजी है. सीएम ममता ने खुद इस बात की जानकारी मंगलवार (28 नवंबर) को सोशल मीडिया के माध्यम से दी. उन्होंने टीम में शामिल अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी साझा किए हैं.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दी ये जानकारी–मुख्यमंत्री बनर्जी ने अपने आधिकारिक ङ्ग हैंडल से एक पोस्ट में कहा, %%हमारे लोगों की मदद के लिए एक टीम उत्तरकाशी भेजी गई है. नई दिल्ली के रेजिडेंट कमिश्नर कार्यालय के संपर्क अधिकारी राजदीप दत्ता के नेतृत्व में टीम उत्तरकाशी के सिल्कयारा में सुरंग में फंसे श्रमिकों की निकासी और पश्चिम बंगाल में उनके घरों तक सुरक्षित वापसी में मदद करेगी.
सीएम ने बताया कि टीएम मो जो अधिकारी शामिल हैं

वो हाथ किसके हैं जो पहाड़ चीरकर मौत के मुंह में जा रही 41 जिंदगियों को निकाल लाए

उत्तराखंड़ के उत्तरकाशी जिले में 12 नवंबर को सिल्क्यारा टनल में काम कर रहे 41 मजदूर फंस गए थे. सुबह 5.30 बजे का समय था और मजदूर टनल में काम कर रहे थे, तभी अचानक से भूस्खलन हुआ, टनल का एक हिस्सा ढह गया. टनल ब्लॉक हो गई और 41 मजदूर इसमें फंस गए. मजदूरों को निकालने के लिए विदेशों से एक्सपर्ट बुलाए गए, बड़ी-बड़ी मशीनों से काम किया गया, लेकिन किसी न किसी वजह से ऑपरेशन रुकता रहा. जहां बड़ी-बड़ी मशीनें भी फेल हो गई वहां काम आए इंसान के हाथ और 17 दिन में पहली बार मजदूरों तक पहुंचने में कामयाबी मिली.मजदूरों को निकालने के लिए की जा रहीं तमाम कोशिशों में रैट होल माइनिंग भी शामिल है. 12 माइनर्स की छोटी-छोटी टीमें अंदर भेजी गई. एक माइनर मिट्टी खोदता, दूसरा मलबा साफ करता और तीसरा मलबे को बाहर फेंकता. इस तरह धीरे-धीरे टनल खोद ली गई और 800 एमएम के व्यास का पाइप मजदूरों तक पहुंचाया गया. अब बस मजदूरों को बाहर लाए जाने का इंतजार है. 41 जिंदगियों को बचाने के लिए 12 माइनर्स किस तरह काम कर रहे थे आइए जानते हैं-रैट होल माइनिंग के एक्सपर्ट राकेश राजपूत ने काम शुरू करने से पहले बताया कि 12 लोगों को तीन-तीन लोगों की टीमों में सुरंग में भेजा गया. हर टीम के एक सदस्य ने सुरंग के अंदर खुदाई की, दूसरे ने खुदाई के मलबे को इकट्ठा किया और तीसरे ने ट्रॉली के जरिए मलबे को बाहर निकाला. माइनर मोहन राय ने बताया कि वह सालों से यह काम कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के दौरान टीम के लोग हाथों से खुदाई करेंगे और मलबा इकट्ठा करेंगे. रैट होल माइनिंग के एक और एक्सपर्ट ने बताया कि वह 10 मीटर टनल के मलबे को बाहर निकालने का काम 20 घंटे में पूरा कर सकते हैं. सोमवार (27 नवंबर) को रैट होल माइनिंग का काम शुरू किया गया था और अगले दिन दिन तीन बजे के आस-पास काम पूरा कर लिया गया.

बचाव अभियान की सफलता भावुक करने वाली मजदूरों के टनल से बाहर निकले पर बोले पीएम मोदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाव अभियान के 17वें दिन सुरक्षित बाहर निकाले जाने पर प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी बयां की है. पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक हैंडल से मंगलवार (28 नवंबर) को एक पोस्ट में कहा, %%उत्तरकाशी में हमारे श्रमिक भाइयों के रेस्क्यू ऑपरेशन की सफलता हर किसी को भावुक कर देने वाली है
पीएम मोदी ने आगे कहा, टनल में जो साथी फंसे हुए थे, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि आपका साहस और धैर्य हर किसी को प्रेरित कर रहा है. मैं आप सभी की कुशलता और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं. यह अत्यंत संतोष की बात है कि लंबे इंतजार के बाद अब हमारे ये साथी अपने प्रियजनों से मिलेंगे.%% प्रधानमंत्री ने कहा, इन सभी के परिजनों ने भी इस चुनौतीपूर्ण समय में जिस संयम और साहस का परिचय दिया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए वो कम है. मैं इस बचाव अभियान से जुड़े सभी लोगों के जज्बे को भी सलाम करता हूं. उनकी बहादुरी और संकल्प-शक्ति ने हमारे श्रमिक भाइयों को नया जीवन दिया है. इस मिशन में शामिल हर किसी ने मानवता और टीम वर्क की एक अद्भुत मिसाल कायम की है.

देश के लिए यह बड़ी खुशखबरी है- अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पर लिखा, %%देश के लिए यह बड़ी खुशखबरी है कि उत्तरकाशी में एक सुरंग में फंसे हमारे सभी 41 श्रमिक भाइयों को सुरक्षित और सकुशल बचा लिया गया है. राष्ट सुरंग में इतने लंबे समय तक ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करने के उनके साहस को सलाम करता है. उन सभी लोगों और एजेंसियों

को मेरा हार्दिक आभार जिन्होंने हमारे साथी नागरिकों की जान बचाने के लिए अथक प्रयास किए हैं...पूरे देश ने राहत की सांस ली है- राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सुरंग हादसे में फंसे सभी श्रमिक बंधुओं के सुरक्षित बाहर निकल आने के समाचार से मुझे अत्यंत आनंद की अनुभूति हुई है. इस अभियान पर पूरे देश की निगाह लगी हुई थी. इसकी सफलता से पूरे देश ने राहत की सांस ली है. यह घड़ी सभी श्रमिक बंधुओं के परिजनों के लिए आनंद की घड़ी है. मैं उनके परिजनों को बधाई देता हूं. बेहद कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में फंसे इन सभी मजदूरों को सुरक्षित निकालने में सबसे बड़ा योगदान राहत और बचाव कार्य में लगी सभी एजेंसियों जैसे एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, उत्तराखंड पुलिस और भारतीय सेना का है. मैं इन सभी का ह्रदय से अभिनंदन करता हूं.

हम सभी के लिए बेहद राहत और हर्ष की बात- मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन टनल में पिछले 17 दिनों से फंसे हुए मजदूरों को आज सकुशल टनल से बाहर निकाला गया, ये हम सभी के लिए बेहद राहत और हर्ष की बात है. 140 करोड़ भारतीयों की प्रार्थना और समेत सभी एजेंसियों का इतने दिनों से चल रहा ऑपरेशन आखिरकार कामयाब हुआ, आप सभी को बधाईहै कि मजदूर भाइयों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ और उचित मुआवजा मुहैया कराया जाए. सभी उन निर्माणाधीन योजनाओं का सेफ्टी ऑडिट करवाया जाए ताकि ऐसी परिस्थिति फिर से उत्पन्न न हो.%%

ये भारत के लोगों की एकता की जीत- अरविंद केजरीवालदिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी प्रतिक्रिया दी है. सीएम केजरीवाल ने ङ्ग पर लिखा, %%एनडीआरएफ, सेना और दूसरी तमाम एजेंसियों की मेहनत रंग लाई और उत्तराखंड की टनल में फंसे सभी मजदूरों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है. इस ऑपरेशन में लगे उन तमाम लोगों के प्रयासों और मेहनत को मैं सलाम करता हूं जिन्होंने दिन-रात एक करके इसे सफल बनाया. सभी देशवासियों की दुआएं काम आई. मैं उन सभी मजदूरों के धैर्य और जीवट को भी नमन करता हूं जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में एक दूसरे का साथ दिया और हौसला बढ़ाया. ये भारत के लोगों की एकता की जीत है.

अंशु त्यागी राष्ट्रीय एकता शिविर में करेंगी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व

अंबाह - पीजी कॉलेज अंबाह की बी.ए.तृतीय वर्ष की छात्रा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की वरिष्ठ स्वयंसेविका कु अंशु त्यागी 29 नवंबर से 5 दिसंबर 2023 तक होने वाले राष्ट्रीय एकता शिविर में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर की ओर से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह शिविर कल्याणी विश्वविद्यालय नाडिया पश्चिम बंगाल में आयोजित किया जाएगा ।अंशु त्यागी इससे पूर्व राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शिविर में भागीदारी कर चुकी हैं। छात्रा की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विश्वास मेढेकर, जीवाजी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर रविकांत अदालत वाले एनएसएस के जिला संगठक डॉ.शशिवल्लभ शर्मा एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रक्षा कम्ठान डॉ पूर्णिमा अग्रवाल एवं पंकज भदोरिया एवं स्वयंसेवकों ने बधाई दी।

रावण वध कर श्री राम ने बुराई पर अच्छाई की जीत और लौटे अयोध्या प्रभू श्री राम किया गया राज तिलक

पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर नगर परिषद एस बी आई बैंक वाली गली ब्रजपब्लिक स्कूल के खेल मैदान में हो रही दस दिवसीय रामलीला में सोमवार रात्रि दरमियांन श्री राम प्रभु ने रावण का वध कर बुराई पर अच्छाई की जीत की और पूनं अयोध्या लौट कर आए कलाकारों ने इसका किया मंचन रामलीला के अंतिम दिन कुंभ करण की बात की खबर सुनते ही लंका पति रावण परेशान हो जाता है उसके

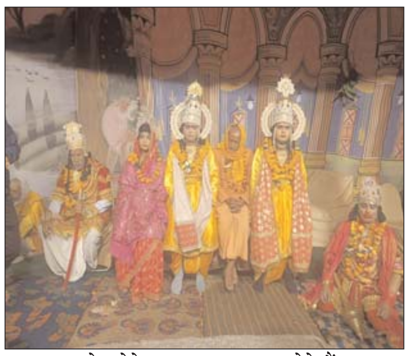

बाद अपने छोटे भ्राता अहिरावण को युद्ध में भेज देता है अहिरावण भगवान श्री राम और लक्ष्मण का हरण कर लेता है इसके बाद हनुमान जी अहिरावण का वध कर देते हैं भगवान श्री पाताल लोक से राम और लक्ष्मण को वापस लाते हैं खबर सुनकर रावण स्वयं युद्ध भूमि में उतर जाता है श्री राम और रावण के बीच भयानक युद्ध होता है भगवान श्री राम बार-बार रावण के सर को अलग कर देते है इससे सेना भी चिंतित हो जाती है तब जाकर विभीषण की बताने पर श्री राम रावण की नाभि में तीर मारते हैं इससे रावण का वध हो जाता है फिर श्री राम भगवान विभीषण को लंका का राज अभिषेक कर राजा बना देते हैं अतः प्रभु श्री राम ने रावण का वध कर दिया और विभीषण का राज अभिषेक करने के बाद प्रभु श्री राम सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या आ जाते हैं तो

पंडाल में जश्न का माहौल बन जाता है इस मौके पर उपस्थित रहे ब्रज पब्लिक स्कूल संचालक मनोज शर्मा ,रामकृष्ण कला मंडल के डायरेक्टर कृष्ण मुरारी मिश्रा, अध्यक्ष सुरेंद्र कांकर, मनोज शर्मा, रामबाबू शर्मा, उदयभान, पाराशर, सरनाम शर्मा, डॉ धर्मवीर शर्मा, कमलेश शर्मा, कमलेश गोस्वामी, आदि उपस्थित रहे

दिल्ली में आयोजित की जाने वाली भगवान शिव कथा महादेव के विभिन्न रूपों में निहित आध्यात्मिक पहलुओं को उजागर करेगी

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा भव्य भगवान शिव कथा का आयोजन 4 दिसम्बर से

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दिल्ली। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रामलीला ग्राउन्ड, रोहिणी, सेक्टर-24, विकास भारती पब्लिक स्कूल के सामने, दिल्ली में 4 से 10 दिसम्बर 2023 तक भव्य सात दिवसीय भगवान शिव कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समय प्रत्येक दिन सायं 4 से रात्रि 8 बजे तक रहेगा। संस्थान के प्रतिनिधि स्वामी नरेशानन्द जी ने बताया कि कथा का वाचन गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी गरिमा भारती जी करेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ 3 दिसम्बर को रोहिणी क्षेत्र में कलश यात्रा द्वारा किया जाएगा,

जिसमें स्थानीय लोगों को कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित करने के साथ साथ जीवन में भ3क्त की अनिवार्यता पर भी जागरूक किया जाएगा। कथा का मुख्य उद्देश्य जन जन को ईश्वर की साक्षात भक्ति से जो?ना रहेगा। कथा कार्यक्रम में शिव महापुराण तथा अन्य ग्रंथों में रचित भगवान शिव के संदेशों को सुमधुर भजनों एवं प्रेरणादायक प्रवचनों की मिश्रित श्रृंखला द्वारा जैसे भगवान् शिव के आदियोगी, शिवलिंग, विध्वंसक आदि विभिन्न रूपों में निहित आध्यात्मिक पक्षों को श्रद्धालुओं के समक्ष रख कर उन्हें भगवान शिव की शाश्वत भक्ति के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किये जायेंगे राउण्ड वार मतगणना के परिणाम

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार विधानसभा चुनाव की मतगणना के प्रत्येक राउण्ड के ईव्हीएम के मतों की गिनती के परिणाम को गणना कक्ष के डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा और उसके बाद अगले दौर के मतों की गणना शुरू की जाएगी।निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक राउण्ड की समाप्ति पर ईवीएम मशीनों से की गई मतगणना के परिणामों की प्रेक्षक और संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर कर घोषणा की जायेगी। इसके साथ ही घोषणा को मतगणना कक्ष में स्थापित डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।निर्वाचन आयोग के मुताबिक राउण्डवार मतगणना परिणाम की पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से उद्घोषणा की जायेगी। राउड्वार रिजल्ट शीट भी अभ्यर्थी और उसके अभिकर्ता को दी जायेगी और मीडिया को अवगत कराने के लिये प्रत्येक राउंड के परिणाम की प्रति मतगणना परिसर में बनाये गये मीडिया कक्ष को दी जायेगी। राउण्ड वार मतगणना परिणाम की जानकारी रिटर्निंग अधिकारी द्वारा आयोग के काउटिंग सॉफ्टवेयर पर भी अपलोड की जायेगी।

गणना कक्ष पर रखी जायेगी कैमरों से नजर

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

मतगणना के कार्य में अधिकतम पारदर्शिता सुनिश्चित करने मतगणना के दौरान की हर छोटी-ब?ी गतिविधियों पर वीडियो कैमरों से निगाह रखी जायेगी। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि गणना कक्षों में भी मतगणना की प्रक्रिया का 360 डिग्री सीसीटीव्ही कव्हरेज किया जाना चाहिये। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि मतगणना की प्रक्रिया की कोई भी बेबकास्टिंग नहीं होगी।निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतगणना में प्रयुक्त प्रत्येक कक्ष में चार-चार कैमरे लगाये जायेंगे। इन्हें गणना कक्ष के हर कोने पर फिक्स किया जायेगा। आयोग के मुताबिक ईव्हीएम मशीनों को स्ट्रॉग रूम से मतगणना कक्ष तक पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले कारीडोर पर भी वीडियो कैमरे लगाये जायेंगे। कैमरों को ऐसे स्थानों पर लगाया जायेगा जिससे कि स्ट्रॉग रूम से गणना कक्षों तक की हर गतिविधियों को रिकार्ड किया जा सके।मतगणना केन्द्र तथा गणना कक्ष के भीतर और बाहर यहां तक की गणना केन्द्र के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा पासधारी व्यक्तियों की सुरक्षा जांच पर भी कैमरे से निगाह रखी जायेगी। निर्वाचन आयोग ने चक्रवार गणना परिणाम के टेबुलाइजेशन और परिणामों की घोषणा की प्रक्रिया की भी वीडियो रिकार्डिंग करने के निर्देश दिये हैं।

मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें:एडीएम

दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट वेल्ट का उपयोग करना अनिवार्य

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । अपर कलेक्टर राजकुमार खत्री ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित कर कहा है कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को यातायात नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें।मोटर यान अधिनियम 1988 के अंतर्गत दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चलाते समय क्रमशः हेलमेट एवं सीट वेल्ट का उपयोग करना अनिवार्य है। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग करने एवं अन्य मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं का पालन करना अनिवार्य है। किन्तु प्रायः देखने में आ रहा है कि विभिन्न विभागों के कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उपरोक्तानुसार नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू । विजयनगर स्थित मारुति मंदिर के निकट मारुति ऑटो निल्दाना संगठन ने कर्नाटक राज्य उत्सव मनाया. मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने ध्वजारोहणकर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अपने संबोधन में कहा कर्नाटक की भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन का प्रयास हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया एकत्रित रक्त का संग्रहण लायंस ब्लड बैंक ने किया।

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र चरथर एवं कृषि उपज मण्डी का निरीक्षण किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव द्वारा उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी संस्था चरथर एवं कृषि उपज मण्डी भिण्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपार्जन केन्द्र पर एक भी किसान की खरीदी न होने से नाराजगी व्यक्त करते हुए खरीदी प्रभारी को सख्त निर्देश दिये कि किसानों को सूचना देकर स्लॉट बुकिंग करायें और तेजी से खरीदी चालू करें। इसी प्रकार मण्डी प्रांगण में किसानों से चर्चा कर एक उपार्जन केन्द्र मण्डी में स्थापित करने हेतु जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये साथ ही किसानों को समझाया कि जिन किसानों ने पंजीयन किया है वे अपना स्लॉट बुक कर बाजरा/ज्वार निकटतम उपार्जन केन्द्र पर ही विक्रय करें। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने जिला उपार्जन समिति के सभी अधिकारियों को निर्देषित किया है कि लगातार उपार्जन केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थायें चुस्त दुरूस्त करें ताकि किसानों को उपार्जन केन्द्र पर फसल बेचने में किसी प्रकार की असुविधा नहो।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये संपन्न हुये मतदान की पोल्ड ईवीएम स्ट्रांग रुम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखी गई है। जिसकी चौबीसों घंटे सुरक्षा बलों के जवानों द्वारा और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जा रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा पोल्ड ईवीएम के लिये निर्धारित स्ट्रांग रुम का प्रतिदिन निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये हैं।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मंगलवार को स्ट्रांग रुम के नियमित निरीक्षण के क्रम में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतगणना के लिये की जा रहीं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुये मतगणना स्थल की व्यवस्था और सुरक्षा संभाल रहे अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, एएसपी शिवेश सिंह बघेल, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, इलेक्शन सुपरवाइजर द्वारिकेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना के लिये शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के नवीन भवन में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। इनमें भूतल पर दो विधानसभा क्षेत्र, प्रथम तल पर तीन विधानसभा क्षेत्र और द्वितीय तल पर दो विधानसभा क्षेत्र के मतों की गणना की जायेगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने मतगणना स्थल की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होने निर्देश दिये कि मतगणना स्थल पर केवल प्राधिकृत व्यक्तियों को प्रवेश करने की अनुमति रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल का निरीक्षण करते हुये सतना और मैहर जिले के 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना के लिये क्षेत्रवार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं को भी देखा। उन्होने मतगणना टेबलों, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली

चने पर लगने वाले उकठा रोग पर नियंत्रण करना जरुरी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना जिले के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सोहावल के खेतों में डायग्नोस्टिक विजिट के दौरान चना की फसल फ्युजेरियम विल्ट एवं कालर राट से प्रभावित देखी गई है। जो चने की खेती को नुकसान पहुंचा सकती है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि चने में फ्युजेरियम विल्ट (उकठा रोग) लग जाने के बाद इसको पूरी तरह से नियंत्रित कर पाना कठिन है। लेकिन इसके रोगजनक फंफूदी को आगे बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके नियंत्रण के लिये कृषक टेबुकोनाजोल 25.9 प्रतिशत ईसी 250 एमएल अथवा टेबुकोनाजोल 39.9 प्रतिशत ईसी 250 एमएल अथवा प्रोपीकोनाजोलड़ाईफेनोकोनाजोल 27.8 प्रतिशत ईसी 250 एमएल अथवा टेबुकोनाजोलट्राईफ्लोक्सिस्ट्राबिन 75 प्रतिशत डब्ल्यूजी 150 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 150 लीटर पानी के साथ प्रभावित फसल पर छि?काव/ड्रेंचिंग करना सुनिश्चित करें। कृषकों को सलाह दी गई है कि जिन क्षेत्रों में चना की फसल उकठा रोग से प्रभावित है और नमी की कमी भी है। वहां सिंचाई से पूर्व थायोफनेट मिथाइल 70 प्रतिशत डब्ल्यूपी 500 ग्राम अथवा कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यूपी 500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 12 से 15 किग्रा बालू अथवा यूरिया के साथ मिलाकर भुरकाव कर सिंचाई करना सुनिश्चित करें।

सदस्यों के जुड़ने से जेबीएन मजबूती की ओर–प्रमोद बाफना

जीतो जेबीएन पायोनियर्स की बैठक

दैनिक पुष्पाजली टुडे

बेंगलूरू ।सदस्यों के व्यापारिक उत्थान के लिये प्रतिबद्ध जेबीएन की कार्यशैली, बढ़ते व्यापारिक दायरे एवं सकारात्मक सोच से प्रभावित होकर दिन प्रतिदिन नवीन सदस्यों के जुड़ने का क्रम जारी है। जेबीएन में सदस्य न केवल अपने व्यापारिक हित के बारे में सोचते है साथ ही साथी सदस्यों के व्यापारिक हितों की भी रक्षा करते है और इसी के परिणाम स्वरूप जेबीएन से जुड़ने का क्रम निरंतर जारी है और इससे जेबीएन को मजबूती मिलती है। यह बात जीतो बेंगलुरू नॉर्थ के सचिव व जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने एक होटल में आयोजित जेबीएन पायोनियर्स की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि जेबीएन एक ऐसा मंच है जहां पर समाज के पेशेवरों व युवा व्यवसाइयो को अपनी सेवाओं व उत्पादों को व्यापक स्तर पर बताने व व्यवसाय को ऊंचाई पर ले जाने के सुगम अवसर प्राप्त होते है।

बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। पायोनियर्स अध्यक्ष आशीष भंसाली ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पायोनियर्स से नित नये सदस्यों का जुड़ना इसकी सफलता की कहानी बया करता है। उपाध्यक्ष मेहुल सकलेचा के अनुसार आज की बैठक में अलग-अलग क्षैणियों के 4 सदस्यों को सम्मिलित किया गया तथा लीडरशिप टीम ने सभी को पौधा देकर सम्मानित किया।बैठक का संचालन

करते हुए सचिव रिंकु बाफना ने पॉयोनियर्स सदस्यों द्वारा अल्प समय में किये गये आपसी व्यवसाय का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उनके अनुसार आज की बैठक में 35 सदस्यों के बीच लगभग 68 लाख रुपयों के व्यापारिक समझौते संपन्न हुए। बैठक में उपस्थित जीतो साउथ के जेबीएन सह संयोजक विक्रम बागरेचा ने नेटवर्क बढ़ाने के अधिक व बेहतर तरीके बताये तथा जेबीएन के विकास के विकल्पों को बताया। जीतो बेंगलुरू नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सभी सदस्यों को अपने व्यवसायिक उत्पादों व पेशेवरों को उनकी सेवाओं का विवरण रखने के लिये समय दिया गया। राष्ट्रगान से बैठक का समापन हुआ।

एनसीसी कैडेट्स ने रैली निकालकर किया रक्तदान

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को कमान अधिकारी कर्नल जेएम देव, 33 एमपी बटालियन सागर के निर्देशानुसार शासकीय आईटीआई सतना के एनसीसी कैडेट्स द्वारा आईटीआई सतना से जिला अस्पताल तक रक्तदान के लिये समाज में प्रेरणा देने के उद्देश्य से रैली निकाली गई। रैली उपरांत एनसीसी कैडेट्स द्वारा जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान

किया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक इंचार्ज राम भाई त्रिपाठी द्वारा कैडेट्स को रक्त दान से होने वाले फायदे के संबंध में बताया गया। बताया गया कि रक्तदान एक स्वस्थ व्यक्ति प्रत्येक तीन माह में रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से शरीर को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति के द्वारा दान किया गया रक्त वापिस बन जाता है। एनसीसी कैडेट्स के साथ ही लेफ्टिनेंट रविशंकर पांडेय, सचिन भारती ने भी रक्तदान किया।

विंध्य गौरव अवार्ड सीजन 3 कार्यक्रम का मुम्बई में हुआ भव्य आयोजन

अवार्ड कार्यक्रम में नजर आए एक से बड़े एक कलाकार

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना। स्नेहा इवेंट एंड मैनेजमेंट द्वारा मायानगरी मुंबई में विंध्य गौरव अवार्ड कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैप्टन डॉ एडी मानेक जी (प्राईड ऑफ महाराष्ट्र) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंकुल त्रिपाठी ने की। इस मौके पर सुशील उर्मलिया बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र सेंगर द्वारा किया गया। इस गरिमामयी समारोह में पद्मश्री डॉ. सोमा घोष (गायिका बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की ब्रांड एम्बेसडर) की भी विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक विष्णु मिश्रा का उल्लेखनीय योगदान रहा।

इनकी रही उपस्थित – बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका सिंह मॉडल एक्ट्रेस

अंजलि पयासी अभिनेत्री/मॉडल उर्मिला शर्मा, टेलीविज़न अभिनेता देव सिंह राजपूत, रमेश गोयल, बॉलीवुड अभिनेता सुनील पाल (कॉमेडियन)।

विंध्य गौरव अवॉर्ड में रहे अवार्डी –वदीप कौर छाबड़ा, (राजनीति) भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री (महिला मोर्चा), अवधेश तिवारी (समाजसेवी) विंध्यांचल सोशल ग्रुप इंदौर, अनंत सोनी (डॉयरेक्टर (एकेएस यूनिवर्सिटी सतना), बुद्धसेन विश्वकर्मा (पेस्ट कास्ट कलाकार), अमी मिश्रा (गायक), कुलदीप सेन (भारतीय क्रिकेटर), महिपाल सिंह परिहार बिजनेसमैन (बिल्डर) चेयरमैन बरवासन रुप, हीरेंद्र सिंह (थिएटर कलाकार), निर्देशक पाणि पंकज पाण्डेय, लेखक बाल रामायण, (ओटीटी क्षेत्र) अभिनेता रितिक घनशानी अभिनेता, समीर प्रकाश शाहू (आरती ज्वैलर्स), आशीष सिंह (पर्वतारोही), मुश्ताक खान अभिनेता, डॉ. ओपी पांडे, (डॉक्टर जनरल फिजिशियन एग्जामंको विवा मेडिकल कॉलेज भोपाल), सीपी झा (गायिका), जयदेव ताम्रकार (युवा उद्योगपति), अंकुल त्रिपाठी (अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल अमरपाटन सतना), सुशील उर्मलिया (युवा सामाजिक कार्यकर्ता) प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय उपभोक्ता परिषद, बघेली की प्रथम फिल्म प्रीत के बंधन के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चंद्रकांत द्विवेदी।

इनका हुआ सम्मान- पंडित सचिन शर्मा सूर्या (विंध्य आइकॉन) संजय शाह विंध्य गौरव सम्मान (अंगदान हेतु), उमेश कुशवाहा, अंकुर चतुर्वेदी, अनुषा शर्मा, बाबूलाल जैन, हरेश मेहता, सीए रमेश नागर, मोहित पटेरिया (बाल गायक), नागेश मिश्रा (वकील), विवेक मिश्रा, (डॉयरेक्टर समुराई ऑफ इंडिया) पूजा अमित चतुर्वेदी, सुनील सिंह, दामोदर तिवारी, (एस्ट्रोलॉजर)आशीष मिश्रा,(समाजसेवी) ज्योतिन कुमार जयंतीभाई राठौड़, अभिनेता एनिमल एक्टिविस्ट डॉ.एसके जैन, बृजेश कुमार गर्ग इत्यादि।

भगवान की कथा में मन को बांध कर रखना पड़ता है : पं.प्रदीप मिश्रा

दंदरौआ धाम में चल रहा है गुरु महाराज का वार्षिक महोत्सव

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भगवान की कथा में मन को बांध कर रखना पड़ेगा। मनुष्य का मन बड़ा चंचल होता है, इसको अगर बांध कर नहीं रखोगे तो यह दूसरी जगह भाग जाता है। भगवान उसी मनुष्य को बुलाते हैं जिस पर भगवान की कृपा होती है। वही मनुष्य डॉक्टर हनुमानजी के दर्शन करने मंदिर में प्रवेश करता है जिस पर भगवान की कृपा होती है। यह उद्गार दंदरौआ धाम में गुरु महाराज मंहत बाबा पुरुषोत्तमदास जी की पुण्य स्मृति में आयोजित हो रहे 27 वे वार्षिक महोत्सव के अवसर पर कथा वाचक अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले द्वारा शिव महापुराण की कथा के दौरान प्रवचन करते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि इस संसार में मनुष्य जिस वस्तु को नहीं प्राप्त कर पता है तो उसको प्राप्त करने के लिए मनुष्य नए-नए तरीकों का इस्तेमाल करता है। अगर एक तरीका से वह वस्तु प्राप्त नहीं होती तो दूसरा तरीका लगता है। दूसरा तरीका अगर फेल हो जाता है तो तीसरा तरीका लगता है। इसी प्रकार हमें भगवान की प्राप्ति के लिए नए-नए तरीके लगाने चाहिए। एक मां अपने पुत्र को जब रोटी परोसती है तो एक साथ सभी रोटियां उसकी थाली में नहीं रखती वह एक एक करके रोटी अपने पुत्र को देती है।उन्होंने कहा कि जब पुत्र अपनी मां से रोटी मांगता है कि मां मुझे एक रोटी दे दो तो मां के मन में बहुत प्रसन्नता होती है जबकि वह जानती है कि पुत्र चार रोटी ही खाएगा। इसी प्रकार हम महादेव के चरणों में रोज एक लोटा जल समर्पित करते हैं, तो भगवान महादेव को भी प्रसन्नता होती है। शिव महापुराण कथा का वाचन दोपहर एक बजे से सायं 4 बजे तक किया जा रहा है। कथा का आयोजन 28 नवम्वर से 2 दिसम्बर तक होगा। यज्ञ पूजन प्रातः 7 बजे से 10 बजे तक रहेगा कार्यक्रम में यज्ञाचार्य पं. रामस्वरूप शास्त्री अपने-अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। मुख्य यजमान एवं कथा पारीक्षित श्रीमती साधना -अखिलेश तिवारी तथा कार्यक्रम की व्यवस्था वृंदावन धाम के महंत श्रीश्री 108 राधिकादास महाराज देख रहे हैं। इस मौके पर राधेराधे महाराज, महंत रामभूषणदास जी महाराज खनेता धाम, महंत कालिदास महाराज तेजपुरा, रामवरन पुजारी, समाजसेवी नाथूराम चुरारिया, मनीष महाराज, जलज त्रिपाठी, रामहरी शर्मा एडवोकेट, पवन शास्त्री, नरसी दद्दा, हरिओम बरूआ सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

रंगों का जादू भरकर मनमोहक पेंटिंग्स बनाते हैं कलाकार : डा0 नाहर

ग्वालियर7 शुद्ध,कोमल एवं तीव्र स्वरों की तरह कलाकार रंगों का जादू भरकर पेंटिंग्स को मनमोहक रूप देते हैं। इस आशय के विचार प्रोफेसर पंडित साहित्य कुमार नाहर कुलपति राजा मानसिंह विश्वविद्यालय ग्वालियर में यहां प्रोफेसर डॉक्टर श्रीमती वासंती जोशी (बक्षी) की स्मृति में आयोजित रंगोत्सव राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संगीत की नगरी ग्वालियर में कला और संस्कृति विशेष कर ललित कलाओं का अद्भुत संगम है। कार्यशाला में महाराष्ट्र और देश के अन्य भागों से पधारे कलाकारों का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कार्यशाला आयोजन समिति को विशेष साधुवाद दिया। समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार जोशी के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में उन्होंने इस प्रयास को भविष्य में और भी आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त आचार्य राम अवतार शर्मा ने डा0 वासंती जोशी के कार्यों का स्मरण करते हुए उन्हें भावुक एवं भारी हृदय से याद किया। उन्होंने कहा कि वह एक दृढ़ प्रतिज्ञ श्रेष्ठ कला गुरु थी। काश आज वह होती तो यह कार्यक्रम और भी बड़े रूप में होता। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों को इस सफल आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई दी और विशेष रूप से डा0 जोशी के पति प्रमोद कुमार जोशी के प्रयासों की विशेष सराहना की । कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति के अध्यक्ष प्रमोद जोशी ने कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा भविष्य में और भी बड़े स्तर पर ऐसे आयोजन करने का संकल्प दोहराया। कोल्हापुर से आए कलाकार शिवाजी म्हस्के ने सभी अतिथि कलाकारों की तरफ से आयोजन की सराहना करते हुए अपने ग्वालियर प्रवास को सुखद बताया। साथ ही उन्होंने संस्था के सलाहकार मुंबई जे जे फाइन आर्ट्स कॉलेज से पधारे डॉक्टर गणेश तरतरे के योगदान का विस्मरण किया जो तीन दिन लगातार कलाकारों के साथ रहे । उल्लेखनीय है कि डॉक्टर तरतरे ने कोल्हापुर की समृद्ध कला परंपरा की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की थी। उन्होंने चार दिवसीय इस आयोजन को महाराष्ट्र और ग्वालियर के बीच कला आदान-प्रदान का सेतु निरूपित किया। मुख्य अतिथि द्वारा शिविर में शामिल सभी कलाकारों का स्मृति चिन्ह,प्रमाण पत्र, श्रीफल एवं मिष्ठान प्रदान कर सम्मान किया गया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रत्येक कलाकार से कलाकृतियों के बारे में जानकारी ली। शिविर में शामिल सभी कलाकारों ने बहुत दिल से पेंटिंग्स बनाई

भाजपा का संकल्प पत्र छत्तीसगढ़ की जनता ने जनता के द्वारा जनता के लिए स्वयं जनता ने बनाया भाजपा का संकल्प पत्र घोषणा पत्र विभा अवस्थी

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ
पुष्पांजलि टूडे अश्वनी

रायपुर > भाजपा के घोषणा पत्र जारी होने के बाद भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री विभा अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा जारी यह घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता के सपनो और जन आकांक्षाओं को पूरा करेगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश के विकास, किसानों के तरक्की और उन्हें समृद्ध बनाने में यह मिल का पत्थर साबित होगा। महामंत्री विभा अवस्थी ने कहा कि भाजपा ने अपने सर्वस्पर्शी घोषणा पत्र में हर वर्ग के विकास को चिंता की। विशेषकर किसानों के जीवन को आत्मनिर्भर बनाने और उनके घर खुशियाली लाने अनेक बिंदु तय किए गए है। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य, एक मुश्त धान की राशि, भूमिहीन किसानों को 10 हजार,

किसानों और खेतीहर मजदूरों के बच्चो के लिए 2 लाख रूपए तक छात्रवृत्ति, 5 लाख रुपए तक बीमा, गन्ना किसानों के लिए कानून, फसल बीमा सहित कई घोषणा की है।इसके अलावा 5500 रुपए प्रति मानक बोरा तेन्दुपता की खरीदी, 4500 रुपए बोनस, चरण पादुका, फड़ मुंशियों को कमीशन के अतिरिक्त 25 हजार वार्षिक मानदेय, 18 लाख प्रधानमंत्री आवास, महिलाओ को सशक्त बनाने विवाहित महिलाओं को 12 हजार वार्षिक सहायता राशि, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, महिला स्व सहायता समूह को 5 लाख रुपए ऋण, जमीन खरीदी में 50 त्न छूट, छात्रों को स्नाकोत्तर निशुल्क शिक्षा, जिले में महिला पिंक थाना की घोषणा की है जो दर्शाता है कि महिलाओ के लिए भी भाजपा ने विशेष स्थान दिया है।विभा अवस्थी ने कहा की भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में शिक्षा स्वास्थ्य बुनियादी सुविधाओं, महिलाओं की सुरक्षा, छात्राओं के भविष्य, गरीब किसानों मजदूरों के विकास, शिक्षित युवाओं को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, हर ब्लॉक में डायलिसिस केंद्र सहित 178 बिंदु में छत्तीसगढ़ के विकास, तरक्की और खुशहाली के वादे और गारंटी दे रही है। यह छत्तीसगढ़ के समृद्धि के परिकल्पना को शत प्रतिशत पूर्ण करेगा।

संपादकीय

‘रंगीले’ राजस्थान में मतदान

देश के पांच राज्यों में चल रहे चुनावों में आज राजस्थान का चुनाव भी सम्पन्न हो गया और इस राज्य के मतदाताओं ने भाजपा व कांग्रेस पार्टियों का भविष्य ईवीएम मशीनों में कैद कर दिया। राजस्थान के चुनावों की सबसे उल्लेखनीय घटना यह रही कि राज्य के ताजा राजनैतिक इतिहास में पहली बार चुनावी मुद्दा पिछले पांच वर्षओं तक चला श्री अशोक गहलोत की सरकार का शासन मुख्य मुद्दा रहा। अतः चुनावों में जो शानदार मत प्रतिशत रहा है उसे देखकर कोई भी चुनावी पंडित परिणामों के बारे में पारंपरिक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। सायं पांच बजे तक ही राज्य में फौरी आकलन के अनुसार 70 प्रतिशत के करीब मतदान हो चुका था। इसके साथ ही जिस प्रकार गहलोत सरकार द्वारा अपने शासनकाल में चलाई गई जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा पूरे चुनावी विमर्श में रही उससे भी सत्ता के विरुद्ध और सत्ता के पक्ष में लोगों के रुझान का अनुमान मत प्रतिशत देखकर लगाना बुद्धिमानी नहीं होगी। चुनावों में जो लोग आम मतदाताओं की सजगता और चातुर्य व राजनैतिक सूझबूझ पर शक करते हैं वे भारत के लोकतन्त्र की जीवन्तता को पहचानने में भूल कर देते हैं। चुनावी राजनीति में न कोई रिवाज होता है और न कोई रूढ़ीवादी परंपरा होती है। सब कुछ मतदाताओं की बुद्धि और विवेक पर निर्भर करता है। मतदाता का जैसा मन होता है वह वैसा ही व्यवहार राजनीतिज्ञों के साथ चुनावों के समय करता है क्योंकि इस दिन वह लोकतन्त्र का शहंशाह होता है। उसके एक वोट की कोई कीमत नहीं होती क्योंकि कभी–कभी प्रत्याशी एक वोट तक से हार जाता है और एक ही वोट के अंतर से देश की सरकारें तक गिर जाती हैं। परन्तु बदलते समय के अनुसार जिस प्रकार से चुनाव प्रचार के माध्यमों में अंतर आ रहा है उसकी वजह से चुनाव आयोग की भूमिका भी बहुत बढ़ गई है। चुनावों से पहले लागू आचार संहिता की आवश्यकताएं भी बदलती हुई दिखाई पड़ रही हैं। अपनी चुनाव प्रणाली को अधिकाधिक पवित्र व शुचितापूर्ण बनाने के लिए आने वाले समय में चुनाव आयोग को बहुत मेहनत करनी पड़ सकती है। राजस्थान के चुनाव एक सकारात्मक सन्देश देकर भी गये हैं क्योंकि पूरे चुनाव प्रचार के दौरान चुनावी विमर्श में आम लोगों के वे मुद्दे ही केन्द्र में रहे जिनका सम्बन्ध उनके जीवन की समस्याओं से होता है। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई, खेती–किसानी और सामाजिक न्याय मुख्य रहे। वास्तव में लोकतन्त्र में विधानसभा के चुनावों में चुनावों के अवसर पर यदि लोगों से जुड़े मुद्दे नहीं आ पाते हैं। कहीं न कहीं आम आदमी चुनावों से गायब ही माना जाता है। राजस्थान के भूगोल को जो लोग जानते हैं और इसकी सामाजिक संरचना से वाकिफ हैं उन्हें मालूम है कि राज्य की राजनीति पर पुराने राजे–रजवाड़ों का कितना प्रभाव रहा है। इसकी वजह यह है कि राजपूताना का इतिहास ‘वचन’ पर मर मिटने वालों का इतिहास रहा है। आधुनिक समय में जो राजनीति चल रही है उसमें भी वचन का खेल ही हो रहा है। सम्पन्न चुनावों में कांग्रेस व भाजपा दोनों की तरफ से लोगों को कुछ गारंटियां देने का वचन दिया गया है। ये सभी गारंटियां आम लोगों का जीवन स्तर सुधारने से ही सम्बन्धित हैं परन्तु पिछले पांच साल में अशोक गहलोत ने जिस प्रकार स्वास्थ्य के अधिकार को नागरिकों का मूलभूत अधिकार बना कर कांग्रेस की तरफ से अन्य गारंटियां दीं उन्हें लोग किस प्रकार से लेते हैं, इसका पता हमें आगामी 3 दिसम्बर को चलेगा जिस दिन वोटों की गिनती के बाद चुनाव परिणाम आयेंगे। चुनाव परिणाम जो भी आयें वे लोगों का फैसला ही होगा और जिस भी पार्टी के हक में यह फैसला आयेगा उनमें से एक सत्ता के सिंहासन पर बैठेगी और दूसरी विपक्ष की भूमिका निभायेगी। यह उम्मीद की जा रही है कि चुनावों में जनता का स्पष्ट जनादेश आयेगा क्योंकि हाल के वर्षों में प. बंगाल से लेकर कर्नाटक व गुजरात व हिमाचल में जितने भी विधानसभा चुनाव हुए हैं उन सभी में जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है और अपनी मन पसन्द सरकार गठित की है। वैसे राजस्थान की परंपरा भी यही है कि यहां की जनता प्रायः स्पष्ट जनादेश ही देती है। मतदान शानदार होने का मतलब भी मोटे तौर पर यही निकाला जा सकता है कि जनता निर्णायक फैसला देने जा रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि चुनाव प्रचार के दौरान लोगों में दोनों प्रमुख पार्टियों के चुनावी विमर्श को देखते हुए किसी प्रकार भ्रम भी नजर नहीं आया। इसका कारण यह भी कहा जा सकता है कि राजस्थानी आमतौर पर बहुत सीधे–सादे और मन से साफ लोग होते हैं। वे लाग–लपेट के साथ कोई काम करना पसन्द नहीं करते। जाहिर है कि राजनीति में भी इसका अक्स जरूर दिखाई देगा। सबसे सुखद यह रहा कि पूरे मतदान में अपनी शान्ति व सौहार्द की संस्कृति को सिर–माथे रखते हुए राज्य के चुनावों में कहीं भी हिंसा होने की खबर नहीं आयी। इसके लिए राजस्थान के लोग बधाई के पात्र हैं।

म्यांमार में घमासान

आदित्य नारायण

भारत की तेल कंपनियों ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर यूरोपीय देशों को तेल निर्यात किया है। चीन तो पहले से ही रूस से तेल खरीद रहा है अब पाकिस्तान ने भी रूस से तेल खरीदना शुरू कर दिया है। ऊर्जा संकट में यूरोपीय देशों के लिए भारत देवदूत बनकर उभरा है।

म्यांमार में अधिकांश समय सैन्य शासन ही रहा है। इस देश की सैन्य सरकार ने नियमों और कानूनों को अपने हिसाब से बनाया और तोड़ा ताकि सत्ता पर हमेशा उसका ही कब्जा बना रहे। इतिहास पर नजर डालें तो कभी यहां पर भी अंग्रेजों का ही शासन था। 1937 से पहले भारत की ब्रिटिश सरकार ने इसे भारत का ही राज्य घोषित किया था लेकिन बाद में इसको भारत से अलग कर अपना उपनिवेश बना दिया था। 80 के दशक से पहले इसका नाम बर्मा हुआ करता था लेकिन बाद में इसका नाम म्यांमार कर दिया। 4 जनवरी 1948 को यह ब्रिटिश शासन से मुक्त हुआ। 1962 तक यहां पर लोकतंत्र के तहत देश की जनता अपनी सरकार चुनती थी लेकिन 2 मार्च 1962 को सेना के जनरल ने विन सरकार का तख्ता पलट करते हुए देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। सैन्य सरकार को यहां परष्ट मिलिट्री जुंटा कहा जाता है। लम्बे समय तक लोकतंत्र बहाली आंदोलन चला। मानवाधिकार कार्यकर्ता आंग सान सू की ने मानवाधिकारों की रक्षा और लोकतंत्र के लिए अपनी आवाज बुलंद की। 2010 के आम चुनावों के बाद सैन्य शासन का अंत हो गया और आंग सान सू की म्यांमार की शीर्ष नेता तो बन गईं क्योंकि आंग सान सू की ने विदेशी से शादी की थी। इसलिए कानूनों के मुताबिक वह आधिकारिक रूप से राष्ट्राध्यक्ष नहीं बन सकी। सेना ने एक बार फिर तख्ता पलट कर निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर डाला और फिर से जुंटा शासन लगा दिया गया। किसी को अंदाजा ही नहीं था कि म्यांमार में लोकतंत्र के लिए भीतर ही भीतर इतना आक्रोश पनप रहा है और विद्रोही सेना के खिलाफ इतने मजबूत होकर निकलेंगे कि सेना को ही परस्त कर देंगे। एक महीना पहले सेना के खिलाफ शुरू हुए सशस्त्र आंदोलन के चलते म्यांमार में घमासान छिड़ चुका है। हालात इतने खराब हैं कि इससे भारत भी काफी चिंतित हो उठा है। म्यांमार के संघर्ष की वजह से हजारों शरणार्थी पहले ही मिजोरम में आकर बस चुके हैं। फरवरी 2021 में सैन्य तख्ता पलट के बाद से अब तक 31 हजार शरणार्थी आ चुके हैं और मौजूदा संघर्ष के दौरान लगभग 5 हजार शरणार्थी भारत पहुंच चुके हैं। इन शरणार्थियों के आने से पूर्वोत्तर भारत में तनाव फैलने की आशंका है। म्यांमार के चिन जातीय समूह के मणिपुर के कूकी समुदाय के साथ अच्छे संबंध हैं वहीं मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों की म्यांमार में भी मौजूदगी है। सेना ने क्योंकि आंग सान सू की को कई मामलों में जेल में डाल रखा है। उनकी पार्टी के कई नेता और कई अन्य लोकतंत्र समर्थक जेलों में हैं। इसके बावजूद लोकतंत्र समर्थक ताकतें एक बार फिर एकजुट हो चुकी हैं। हालांकि सेना 4000 से ज्यादा नागरिकों और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं की हत्याएं कर चुकी है। ब्रदर हुड अलायंस सेना पर हमले कर रहा है और सेना की एक बटालियन ने तो हथियार भी डाल दिए हैं। इस साल 27 अक्तूबर को म्यांमार के तीन विद्रोही गुट साथ आए। ये थे–अराकन आर्मी, म्यांमार नेशनल डिफेंस अलायंस आर्मी और ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी। चूंकि, वहां के सैन्य शासन के खिलाफ इन तीन गुटों ने 27 अक्तूबर को विद्रोह छेड़ा था, इसलिए इसे ‘ऑपरेशन 1027’ नाम दिया गया है। म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी इन तीनों में सबसे ताकतवर मानी जाती है। ऑपरेशन 1027 को यही लीड कर रही है। इसका गठन 1989 में हुआ था। इसमें लगभग 6 हजार लड़ाके हैं। अराकन आर्मी का गठन 2009 में हुआ था। ये रखाइन प्रांत में एक्टिव हैं और यूनाइटेड लीग ऑफ अराक की मिलिट्री विंग है। इसके नेता त्वान सम्राट नाइंग हैं। माना जाता है कि इसके पास 35 हजार से ज्यादा लड़ाके हैं जो काचिन, रखाइन और शान प्रांत में एक्टिव हैं। इस पूरे ऑपरेशन का मकसद वहां के सैन्य शासन का मुकाबला करना है। ‘ब्रदरहुड अलायंस’ के नाम से बने इस विद्रोही गठबंधन का उद्देश्य उत्तरी शान प्रांत में सेना और उसके सहयोगी सैन्य संगठनों को खदेड़ना है। ये प्रांत म्यांमार–चीन सीमा के पास पड़ता है। 27 अक्तूबर को अलायंस ने बयान जारी कर कहा था कि उनके ऑपरेशन का मकसद नागरिकों की रक्षा करना, आत्मरक्षा करना, अपने इलाकों पर नियंत्रण हासिल करना और म्यांमार सेना के हमलों और हवाई हमलों का जवाब देना है। म्यांमार दशकों से जातीय अल्पसंख्यकों की हिंसा से रूबरू रहा है लेकिन अतीत में, बर्मी समाज में मुख्य राजनीतिक विरोधाभास सुश्री सू की अगुवाई में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन द्वारा किया गया शांतिपूर्ण संघर्ष था लेकिन इस बार लोकतंत्र समर्थक आंदोलन ने शांतिपूर्ण प्रतिरोध के सू की के सिद्धांत को त्याग दिया और एक भूमिगत सरकार बनाई, एक मिलिशिया विंग की स्थापना की ओर जातीय मॉडल विद्रोहियों के साथ हाथ मिलाया। यह एक ऐसा नतीजा था जिसकी उम्मीद तख्तापलट शासन ने नहीं की थी। पिछले दो सालों में नई राजनीतिक हकीकतें सामने आई हैं। विद्रोहियों ने पर्याप्त इलाकों में दखल हासिल कर लिया है और जुंटा पर संचालन संबंधी दबाव बनाए रखते हुए कई मोर्चे खुले रखे हैं। जनरलों को क्षेत्रीय स्तर पर भी अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर आसियान में। जुंटा के पास कोई आसान विकल्प उपलब्ध नहीं है। एक सैन्य समाधान असंभव दिखता है। जुंटा बातचीत के लिए आगे नहीं आया है लेकिन विविधता भरी नई पीढ़ी के नेताओं की अगुवाई में विद्रोहियों ने जनरलों से राजनीति से दूर हटने और फिर शांति की तलाश के लिए बातचीत करने को कहा है। उन्होंने जातीय अल्पसंख्यक क्षेत्रों के लिए अपेक्षाकृत ज्यादा स्वायत्तता वाली संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की मांग की है। अब देखना होगा कि म्यांमार लोकतंत्र की तरफ कैसे बढ़ता है।

अर्थ और प्रतिष्ठा की लूट के सामने बेबसी

प्रेम शर्मा

देश दुनिया के सामने डीपफेक और साइबर क्राईम आज के समय घातक चुनौती है। इसके सामने एक बेबसी दिख रही है। इस बेबसी का मुख्य कारण ये है कि ये वो टेक्नोलॉजी है, जो आमलोगों के हाथों तक आ गई है। पहले ऐसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल साइबर क्रिमिनल किया करते थे। इस तरह आधुनिक तकनीक से जहॉ एक तरफ लोगों को आर्थिक हानि उठानी पड़ है तो अब उसके सामने अपने प्रतिष्ठा और मान मर्यादा बनाए रखने का संकट उत्पन्न हो रहा है। सरकारे भले ही लाख दावा करे, लेकिन सरकार के पास इससे निपटने के लिए समुचित व्यवस्था नही है। तात्पर्य यह कि सरकार एक तरफ तो आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए आन लाइन भुगतान पर दबाव बनाए है। आधुनिक तकनीक के आईफोन तक को बढ़ावा दे रही है। ई आफीस से लेकर हर क्षेत्र को ईव्यवस्था से जोड़ने को आतुर है। लेकिन इनके दुरूपयोग को रोकने या इसका गलत इस्तेमाल होने पर इसकी जॉच के लिए विशेषज्ञ टीमों की भर्ती या कोई विशेष अभियान सरकार द्वारा नही चलाया जा रहा है। पुलिस सेवा या फिर सर्तकता या तकनीकि विभागों में पिछले लम्बे अरसे से तकनीकि शिक्षा विशेषज्ञों, बीसीए एमसीए या फिर कम्पयुटर शिक्षा के विशेषज्ञता रखने वाले संवर्ग की कोई विशेष भर्ती कर ऐसी कोई सेल नही बनाई गई जिससे इस तरह के अपराधों पर रोक लगाई जा सके। इसका परिणाम यह है कि देश में प्रतिदिन साइबर अपराधी आम और खास आदमी को निशाना बनाकर उसकी कमाई हड़प रहे है और वह साइबर थाने के चक्कर लगा रहा है। अब एक नया अभिशाप डीपफेक के सामने आ गया है जो आपकी मर्यादा हनन कर रहा है। हालांकि इस पर देश के प्रधानमंत्री भी बड़ी चिन्ता जता चुके है। आईटी मंत्री कड़े कानून की वकालत कर रहे है। लेकिन सबसे अहम पहलू पर कोई विचार नही कर रहा है कि इस तरह के अपराध रोकने के लिए इससे भी अधिक बुद्विमान और तकनीकि, साइबर के डिप्लोमा, डिग्री धारी संवर्ग का विशेष भर्ती अभियान चलाकर साइबर थानों में विशेषज्ञों की तैनाती की जाए। डीपफेक को सामान्य रूप से ऐसे समझे जैसे मान लीजिए कोई मेरी तस्वीर और मेरा वीडियो है, अगर आप मेरी तस्वीर या मेरे वीडियो पर किसी और की शक्ल छाप दें और उसी को मिमिक कर दें तो लोगों को यही लगेगा कि वो मैं नहीं बल्कि वो व्यक्ति बोल रहा है। डीप फेक के जरिए यही कोशिश की जाती है कि आप लोगों को गुमराह करें, उसे चीट करें, उसके ट्रस्ट को जीतें और उसके बाद उसे साइबर क्राइम का शिकार बनाएं। हर बड़े सेलिब्रिटी के बन रहे डीपफेक वीडियोरश्मिका मंदाना और कैटरिना कैफ के हालिया डीपफेक वीडियोज बताते हैं कि हम कितने लाचार और बेबस हैं। व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और स्वायत्तता की गंभीर चिंताजनक मुद्दों के अलावा धोखेबाजी और प्रपंच से लोकतंत्र प्रभावित हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है और बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी हो सकती है। हाल ही में यूके की एक एनर्जी कंपनी के प्रमुख के साथ ऐसा हो चुका है। उसे उसके जर्मन सीईओ की आवाज में फोन आया और उसने पैसे भेज दिए। हालांकि, वह आवाज डीपफेक का नमूना ही थी। महिलाओं की तरह ही बेहद प्रतिष्ठित शख्सियतें भी खूब निशाने पर रहती हैं।इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलजी मिनिस्टर ने सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों पर लागू नियमों की बात की है। उन्होंने आईटी इंटरमीडियरी रूल 3(2)(बी) का भी उल्लेख किया जो इंटरमीडियरी को शिकायत मिलने के 24 घंटे के अंदर मॉर्फ्ड वीडियो, इमेज आदि को हटाने या डिजेबल करने का निर्देश देता है।केन्द्रीय मंत्री अश्विनी के अनुसार ने लोकतंत्र के लिए डीपफेक्स एक नया खतरा है। इससे समाज और इसके संस्थानों की विश्वसनीयता कमजोर हो सकती है। हम डीपफेक्स के लिए रेगुलेशंस बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार चार बिंदुओं डीपफेक्स की पहचान, ऐसे कंटेंट को फैलने से रोकने, रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को मजबूत करने और इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने पर कार्य करेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी डीपफेक्स को लेकर चेतावनी दी थी। मोदी ने बताया था कि उन्होंने चौटजीपीटी की टीम से डीपफेक की पहचान करने और ऐसे वीडियो के इंटरनेट पर प्रसारित होने पर चेतावनी जारी करने को कहा है। उनका कहना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में यह जरूरी है कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल जिम्मेदारी से किया जाए। लेकिन डीपफेक को रेग्युलेट करना वैश्विक चिंता का विषय है। अमेरिका ने फॉरन डीपफेक्स के लिए संघीय कानून बनाया है जबकि उसके नागरिकों की रक्षा के लिए एक विधेयक अभी लंबित है। अमेरिका के कुछ राज्यों ने भी बिना सहमति के डीपफेक बनाने को अपराध घोषित कर दिया है जबकि कुछ अन्य राज्यों ने इसे दीवानी मामलों के तहत रखा है। यूरोपियन यूनियन में भी डीपफेक्स को लेकर कानून बनाने पर गंभीरता से विचार हो रहा है। बड़ी टेक कंपनियां इस चिंता को लेकर प्रतिक्रिया दे रही हैं, लेकिन बहुत धीमे। समस्या यह है कि डीपफेक्स को ढूंढ पाना बहुत कठिन है क्योंकि विजुअल एक्सपर्ट्स जिन पैमानों पर असली और नकली का अंतर पता करते हैं, वो इसमें काम नहीं आते हैं। फर्जी कंटेट को पकड़ने वाली टेक्नॉलजी डीपफेक क्रिएटर्स से कदमताल नहीं मिला पा रही है। जब तक हमें बुरी टेक्नॉलजी से मुकाबले के लिए अच्छी टेक्नॉलजी के आने का इंतजार है, तब तक हम कर ही क्या कर सकते हैं? अगर आप भी इस बुरी तकनीक के शिकार हो जाएं तो बिल्कुल सावधान रहते हुए पुलिस में शिकायत करें।मगर ऐसे वीडियो पर कैसे नजर रखी जाती है? फर्जी वीडियो के अक्सर ऐसे पहलू होते हैं जिनका अंदाजा तकनीकी विश्लेषण के बाद लगाया जा सकता है। क्रेड ज्यूरे में मैनेजिंग पार्टनर अंकुर महिंद्रू कहते हैं, ‘जांच एजेंसियां आईपी अड्रेस मालूम करने वाली, मेटाडाटा एनालिसिस और ओपन–सोर्स इंटेलिजेंस (ओएसआईएटी) जैसी विशेष तकनीकों का इस्तेमाल करती हैं। फेशियल रिकग्निशन और कन्टेंट रिकग्निशन अल्गोरिद्म जैसी अत्याधुनिक तकनीक भी फर्जी वीडियो अपलोड करने से जुड़ी गतिविधि और इसके अनधिकृत प्रसार रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।सरकार मानना है कि सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसे मामलों में आईटी नियम, 2021 के अंतर्गत निहित समयसीमा के अंतर्गत कदम उठाने होंगे और उन्हें उपयोगकर्ताओं (यूजर) को ऐसी सूचना या सामग्री पोस्ट करने से रोकना होगा। सरकार का कहना है कि किसी आपत्तिजनक सामग्री की सूचना मिलने के 36 घंटे बाद उसे हटाना अनिवार्य होगा। अनधिकृत वीडियो का पता लगाने वाले मौजूदा कानूनी ढांचे में भारतीय तकनीक अधिनियम (धारा 67ए), कॉपीराइट एक्ट, 1957 और भारतीय दंड संहिता, 1860 (धारा 292) के प्रावधान शामिल हैं। न्यायालयों ने अक्सर इन मामलों में अनधिकृत सामग्री दिखाने वाले यूआरएल या पोस्ट हटाने के निर्देश दिए हैं।‘भारत में सूचना–प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत एक विशेष प्रावधान है जो किसी व्यक्ति की निजता के उल्लंघन के मामले में लागू हो सकता है। ऐसे मामलों में अपराध साबित होने के बाद 3 वर्षों तक कारावास या 2 लाख लाख रुपये तक आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। फर्जी वीडियो या विकृत तस्वीर प्रकाशित करने वाले प्लेटफॉर्म भी इस संबंध में नोटिस मिलने के बाद कदम नहीं उठाते हैं तो उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है।’हालाकि दिल्ली महिला आयोग ने मंदाना का वीडियो प्रसारित होने के बाद दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। आयोग ने कहा कि अब तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। केंद्र सरकार ने भी सोशल मीडिया कंपनियों को पूरी सतर्कता बरतने और भ्रामक सूचना एवं फर्जी तस्वीरों को पहचानने में सभी उपाय करने के निर्देश दिए हैं। मगर विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामले रोकने के लिए उपयुक्त एवं ठोस नियमन की दरकार है। ‘कानून में यह परिभाषा बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए कि किसी तरह के वीडियो फर्जी या आपत्तिजनक वीडियो की श्रेणी में आते हैं।

भारत की सनातनी, आध्यात्मिक विचारधारा ही देश को विश्व में अग्रणी बनाएगी

संजीव ठाकुर

भारत का सांस्कृतिक, आध्यात्मिक वैदिक इतिहास सदैव प्रबुद्ध तथा गौरवशाली रहा है। वेदों, शास्त्रों ,पुराणों और सनातन संस्कृति एवं संस्कार में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण निरूपित कर वृहद वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं और अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे । प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए। जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में 2 दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में स्वर्गीय श्रीमती विद्या गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर हैल्थ साइंस विभाग में 2 दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन भारत विकास परिषद और विश्वविद्यालय के हैल्थ एंड इनवोरमेंटल स्टूडेन्ट क्लब द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ पूनम गोयल ने कहा कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से बेहतर स्वास्थय की प्राप्ति होती है जिस से कि दिल की बीमारियों से भी बचा जा सकता है। साथ ही यह एक सामाजिक पुण्य का कार्य है। मुख्य अतिथि उद्योगपति आशीष जोशी (हाईटैक स्टील ग्रुप, गुरूग्राम) रहे। कुलपति डॉ एन. पी. कौशिक और प्रति-कुलपति डॉ अजय पोदार ने कहा कि रक्त दान एक महान दान है। इससे हम जरूरतमंदो की मदद कर सकते हैं। लोगों को रक्त दान करने के लिए हमेशा आगे आना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय विद्यार्थियों सहित अफ्रीका, बांग्लादेश, नेपाल तथा अन्य देशों से शिक्षा हेतू आए हुए विद्यार्थियों में रक्तदान के लिए अत्यंत उत्साह देखा गया। शिविर में 140 यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश शर्मा, प्रांतीय रक्तदान संयोजक तथा डॉ राकेश धीमान, डीन स्टूडेन्ट एवं स्टाफ वेल्फेयर ने किया। शिक्षकों और विद्यार्थियों को रक्त दान उपरान्त प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, फोटो तथा जलपान प्रदान किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद् ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया तथा यहां के विद्यार्थियों एवं स्टाफ की सराहना की।

हरियाणा के राज्यपाल ने 12वें दीक्षांत समारोह में आर्यन्स छात्रों को संबोधित किया

चंड़ीगढ़। आर्यन्स ग्रुप कॉलेजेज, राजपुरा,निकट चंडीगढ़ पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, सेक्टर 31, चंडीगढ़ में अपना 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित की राज्यपाल, हरियाणा श्री. बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि थे, जबकि प्रोफेसर राजीव कुमार, सदस्य सचिव अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), नई दिल्ली, डॉ. पुनीत गिरधर, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान सम्मानित अतिथि थे। समारोह की अध्यक्षता आर्यन्स ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अंशू कटारिया ने की। फार्मेसी, इंजीनियरिंग, लॉ आदि सहित विभिन्न कार्यक्रमों के मेधावी छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई जिसके बाद स्वागत प्रार्थना की गई।

चंडीगढ द्य राज्यपाल, हरियाणा ने अपने दीक्षांत भाषण में छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि डिग्री धारकों को स्वयं निर्णय लेना होगा कि वे नौकरी निर्माता बनना चाहते हैं या नौकरी प्रदाता बनना चाहते हैं। जीवन में सीखने की प्रक्रिया समाप्त नहीं होती है, बल्कि आज से नई शिक्षा और नए लक्ष्य प्राप्त करने की शुरुआत होती है÷, दत्तात्रेय ने कहा। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज का नेतृत्व करने की क्षमता विकसित करने और अवसर को परखकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि युवा देश की संपत्ति हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र तभी विकसित हो सकता है जब युवा केंद्रित, अनुशासित और विकासोन्मुख हों और उन्होंने छात्रों से अनुशासन, देशभक्ति, ईमानदारी और भक्ति जैसे अच्छे मूल्यों को विकसित करने का आग्रह किया।

राज्यपाल, हरियाणा ने कहा कि यह केवल दीक्षांत समारोह नहीं है बल्कि एक और चुनौतीपूर्ण जीवन की नई शुरुआत है। आज के छात्र कल के राष्ट्र के निर्माता हैं। हमें छात्रों को उनके इच्छित क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए उन मजबूत सीमाओं को कम करने की आवश्यकता है जो हमने छात्रों पर लगाई हैं। जीवन में आगे बढ़ने और सफलता पाने के लिए छात्रों में भी सही दृष्टिकोण होना चाहिए, उन्हें सीखने के लिए खुला रहना चाहिए, रचनात्मक होना चाहिए और सामाजिक समस्याओं के बारे में सोचना चाहिए÷, उन्होंने कहा। उन्होंने छात्रों को एक अच्छा नागरिक बनने और अपना तथा पूरे देश का नाम रोशन करने के लिए दिन-रात मेहनत करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, हमें भारतीय होने और भारत में पढ़ाई करने पर गर्व है क्योंकि हमने सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

राज्यपाल ने कहा कि आर्यन्स उन कॉलेजों में से है जो अपने छात्रों के समग्र विकास में अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने आर्यन्स के प्रबंधन को बधाई दी, जिसकी शुरुआत सिर्फ 100 छात्रों और 1 कॉलेज के साथ हुई थी और अब यह इंजीनियरिंग, कानून, प्रबंधन, नर्सिंग, फार्मेसी, डिग्री, शिक्षा, पैरामेडिकल आदि सहित 8 कॉलेजों में 3500 से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। स्नातकों और स्नातकोत्तरों को अपने संबंधित जिलों में रोजगार विनिमय कार्यालयों में खुद को पंजीकृत करना होगा ताकि उनके राज्
साथ-साथ देश भर में विभिन्न नौकरि
उद्घाटन के लिए उनसे संपर्क किया जा

डॉ. अंशू कटारिया ने छात्रों को बधा
हुए कहा कि समाज की प्रगति के लि
युवा प्रतिभाओं को जोड़ना आर्यन्स के
गर्व का क्षण है। कटारिया ने कहा कि
अपने पूर्व छात्रों से धन की आवश्यकता
है, लेकिन हम चाहते हैं कि ये छात्र आने
वर्षों में अपने लिए, समाज और अपने
के लिए नाम और प्रसिद्धि अर्जित करें।

प्रोफेसर राजीव कुमार, स
एआईसीटीई, नई दिल्ली और डॉ.
गिरधर, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा शिक्ष
अनुसंधान, पंजाब ने भी अपना दृष्टि
साझा किया और स्नातक छात्रों को बधा

प्रोफेसर रोशन लाल कटारिया, श्र
रजनी कटारिया (संस्थापक); डॉ. प
कटारिया, महानिदेशक, आर्यन्स ग्रुप
कॉलेजेज; डॉ. जे.के. सैनीप्रिंसिपल, आ
कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग; डॉ. दे
सिंगला प्रिंसिपल, आर्यन्स कॉलेज ऑफ
डॉ. कृष्ण सिंगला प्रिंसिपल, आर्यन्स क
ऑफ फार्मेसी; श्रीमती निधि चोपड़ा प्रिंसि
आर्यन्स इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग; डॉ. अ
धीमान प्रिंसिपल, आर्यन्स कॉलेज
एजुकेशन आदि भी इस अवसर पर उप
थे।

सरकारी स्कूलों में टॉयलेट न होना सरकार के लिए शर्मनाक : अभय

झज्जर। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा हरियाणा के 550 सरकारी स्कूलों में टॉयलेट न होने पर सरकार को लगी फटकार पर टिप्पणी करते हुए इनेलो नेता अभय चौटाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खट्टर सरकार ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर शौचालय बनवाने की भी बात कही थी। लेकिन कितना शर्मनाक है कि पिछले नौ साल में सरकार हरियाणा के 550 सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय ही नहीं बनवा पाई।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों को ही इसके लिए देश व प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। वे यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। आगामी विस चुनाव में किसी पार्टी से गठबंधन होने के सवाल पर अभय चौटाला ने कहा कि अभी चुनाव नहीं है, लेकिन वह इतना जरूर कहते हैं कि जब चुनाव होगा तो इनेलो पार्टी अपना राज बनाएगी।

जींद जिला में नहीं थम रहे पराली जलाने के मामले, जहरीली हुई हवा

जुलाना(जींद)। जिले में पराली जलाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। प्रतिदिन पराली जलाने वाले किसानों पर सख्ती बरत जुर्माना लगाया जा रहा है लेकिन उसके बावजूद किसान पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब तक जिले में 272 मामले पराली जलाने के आ चुके हैं। इनमें 271 किसानों पर 6 लाख 27 हजार 500 रुपये जुर्माना लगाकर वसूला जा चुका है। अभी जिला के 24 गांव पराली जलाने के मामले में रेड जोन में हैं। पराली जलाने पर नरवाना प्रथम स्थान पर है, जहां 104 किसानों के चालान किए जा चुके हैं। वहीं उचाना दूसरे स्थान पर है, जहां 71 किसानों के चालान किए गए हैं। विभाग को अब तक कुल 329 जगह फायर लोकेशन मिली हैं। जांच करने पर 271 जगह आग लगी मिली। कृषि विभाग को अलेवा में 32, जींद में 19, जुलाना में 17, पिल्लूखेड़ा में 16, सफीदों में 37, नरवाना में 131, उचाना में 77 फायर लोकेशन मिली है। जब टीमें मौके पर पहुंची तो अलेवा में 23, जींद में 11, जुलाना में 16, पिल्लूखेड़ा में 14, सफीदों में

32, नरवाना में 104, उचाना में 72 जगह आग लगी मिली। टीमों को जिलाभर में कुल फायर लोकेश 329 मिली और 272 जगह आग लगी पाई गई। रविवार को जींद जिले की हवा में प्रदूषण स्तर 256 रहा, जो बेहद गंभीर की श्रेणी में आता है।

जहां भी पराली जलाने की लोकेशन मिलती है, वहीं विभागीय टीमें कार्रवाई कर रही हैं। पराली जलाने पर दो एकड़ भूमि तक 2,500 रुपये, दो से पांच एकड़ भूमि तक पांच हजार रुपये और पांच एकड़ से ज्यादा भूमि पर 15 हजार रुपये जुर्माना लगाया जा रहा है।

-डॉ. गिरिश नागपाल, कृषि उपनिदेशक, जींद।

कांग्रेस सरकार में विश्व प्रसिद्ध सें स्टोन उद्योग की हुई अनदेखी

राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने पर मिलेगा पुरा सम्मान-सुभाष चन्द्र

करनाल। सिकंदरा चौराहे पर लगभग 15 किलोमीटर क्षेत्र में फैले सेंड स्टोन हैंडीक्राफ्ट ने अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस स्टोन के व्यापारियों द्वारा अनेकों बार देश-विदेश में प्रदर्शनियां लगाई और उसमें प्रथम स्थान प्राप्त कर राजस्थान सरकार का गौरव बढ़ाया, लेकिन कांग्रेस की भ्रष्टाचारी सरकार ने इस उद्योग से जुड़े व्यापारियों के साथ ही नहीं बल्कि इसमें काम करने वाले हजारों कामगारों, कारीगरों की भी उपेक्षा की। यह आरोप स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा सरकार के कार्यकारी वाइस चेयरमैन व सिकराय विधानसभा प्रभारी सुभाष चंद्र ने लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने तो सदैव लोकल फॉर वोकल की बात ही की जो पुरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है, लेकिन कांग्रेस की भ्रष्टाचारी सरकार ने न जाने क्यों इनकी अनदेखी की है। चुनाव सम्पन्न होने पर स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन व सिकराय विधानसभा चुनाव प्रभारी सुभाष चन्द्र के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि प्यारे व्यापारी व कामगार भाइयों मैं आपको आश्वासन देता हूं कि इस बार राजस्थान में भाजपा सरकार आ रही है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि सेंड स्टोन सिकंदरा को वह सम्मान देंगे जिसका वह असली में हकदार है। अ
इस उद्योग से संबंधित जो भी मांगे होगी भाजपा स
आने पर उनको पूरा किया जाएगा। इस दौरान श्री
किशोर मीना पूर्व मंत्री ने भी व्यापारी भाइयों को वि
दिलाया कि अब आपके अच्छे दिन आने वाले है। उ

कहा कि ये सिकंदरा के लिए ही नही समस्त राजस्थ
लिए गौरव का विषय है कि अयोध्या में जो श्री राम
बन रहा है उसमे भी यहां का पत्थर और चित्रकारी

इस अवसर पर सेजु स्टोन के अध्यक्ष खिलारी
बुद्धा स्टोन के मालिक मिंटू राम सैनी, श्रीराम स्टो
मालिक हीरालाल सैनी, साक्षी कटिंग के मालिक
प्रकाश सैनी, आर. पी. स्टोन के मालिक आर पी
रामकेश सैनी, राजू सैनी, रामजीलाल सैनी व जय
सैनी सहित स्टोन इंडस्ट्री के अनेक व्यापारी मौजूद

हरियाणवी बोली पर लाज नहीं नाज कीजिए : नीरज चोपड़ा

सोनीपत। ओलंपिक स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा है कि अपनी बोली बोलने में लाज नहीं नाज कीजिए। क्षेत्रीय बोलियों को मान सम्मान दीजिए। बोलियों की क्रांति का हिस्सा बनिए। बोली खोई नहीं सोई है। हरियाणावी बोली मां तो राजस्थानी बोली मेरी मौसी है। वह रविवार को संस्कृति मार्डन स्कूल गांव खंडरा पानीपत में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। बोलियों में फ़िल्म, वेब सिरीज़ बनाने वाले ओटीटी प्लेटफार्म स्टेज का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त होने पर नीरज ने कहा कि घर और गांव में हम हमारी बोली में बात करते हैं। सुख दुःख की भावनाएं व्यक्त करते हैं। एक सवाल के जवाब में कहा कि बोली मान्यता मिले या न मिले इसे छोड़कर अपनी बोली को बोलो। भले ही बोलियों का कोई व्याकरण नहीं है पर किस्से, कहानियां, लोक कथाएं सब बोलियों में हैं। जितना साहित्य बोलियों में है उतना किसी भाषा में नहीं मिलता। गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा ने कहा की जिस बोली को बोलते बोलते हम बड़े हुए हैं। उसी बोली को ना बोलकर हम उसे क्यों छोटा करते हैं। मुझे विश्व के देशों में जाने का मौका मिला वहां सवालों के जवाब मैने अपनी बोली में दिए। सबसे खास बात यह है कि अपनी बोली में आप अपने दिल की बात सही तरीके से रखते हैं क्योंकि आप उसके जानकार हैं। दूसरी बात जो आपकी बोली नहीं समझते वे भी समझने लगेंगे। जैसे हम दूसरी भाषाओं को पढते हैं बोलते हैं वो भी हमारी बोली को सुनेंगे समझेंगे।

नीरज ने कहा कि स्टेज हरियाणवी, राजस्थानी बोली में काम करता है। मेरी प्रेरणा महाराणा प्रताप हैं। महाराणा प्रताप का शस्त्र भाला है और भाला ही मेरा खेल है। स्टेज के संस्थापक विनय सिंघल ने कहा कि नीरज चोपड़ा को ब्रांड ऐम्बैसडर बनाने के पीछे हमारा सबसे बड़ा कारण नीरज अपनी मां बोली को सम्मान देते हैं। खेल से तो युवाओं के लिए प्रेरणा दी, अपनी बोली और संस्कृति के प्रति प्रेम से भी प्रेरणा लेनी चाहिए। स्टेज के सह संस्थापक शशांक वैष्णव और प्रवीण सिंघल ने कहा कि क्षेत्रीय बोलियों के प्रति युवाओं का प्रेम और सम्मान बढेगा। हरियाणा और राजस्थान के फ़िल्म मेकर जहां फ़िल्म बनाने के लिए संघर्षरत थे, आज इन प्रदेशों में हर महीने पांच से छह वेब सिरीज़ और फ़िल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। क्षेत्रीय बोलियों के लेखकों, अभिनेताओं और फ़िल्म से जुड़े अन्य रोज़गार मुहैया करवाने का भी प्रयास किया है। क्षेत्रीय भाषा में बने कांटेंट को पूरा विश्व देखेगा।

बनेगा नया वाटर वर्क्स, बिछेगी सीवरेज लाइन

उचाना। छातर गांव में जन स्वास्थ्य विभाग पीने के पानी की क्षमता को बढ़ाने के लिए नये वाटर वर्क्स का निर्माण, पूरे गांव में सीवरेज लाइन बिछाने, नये सिरे से पानी की पाइप लाइन बिछाने को लेकर 37 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसको लेकर विभाग द्वारा टेंडर लगाया गया है। अब तक गांव में 55 लीटर प्रति व्यक्ति हर रोज सप्लाई पानी की जाती है। इसको बढ़ाते हुए 135 प्रति व्यक्ति पीने के पानी की सप्लाई ये कार्य पूरा होने पर होगी। सरकार द्वारा छातर गांव को महाग्राम योजना में शामिल किया गया है।

चार एकड़ में बनेगा

छातर गांव में नया वाटर वर्क्स बनाया जाएगा। यहां पर ढाई एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण होगा। चार एकड़ में यहां पर निर्माण किया जाएगा। पुराने जलघर पर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जाएगा। पहली बार ग्राम स्तर पर सीवरेज लाइन पूरे गांव में बिछाई जाएगी। यहां पर 12 एकड़ में एसटीपी तीन एमएलडी का बनाया जाएगा। यहां पर सीवरेज का पानी साफ होने के बाद खेतों के लिए भी इस्तेमाल हो सकेगा। यहां पर 9 एकड़ में तालाब बनाया जाएगा। गांव में जो बारिश के समय पानी भराव की समस्या थी, वह भी सीवरेज लाइन बिछने के बाद दूर होगी।

वाल्मीकि मोहल्ले में पहुंचेगा पानी

वाल्मीकि मोहल्ले के पीने के पानी की समस्या भी दूर होगी। यहां पर पानी पर्याप्त मात्रा में पहुंचे, इसको लेकर बूस्टिंग स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। पूरे गांव में नये सिरे से पानी की सप्लाई के लिए डीआई लाइन बिछाई जाएगी। महाग्राम योजना के तहत 10 हजार से अधिक आबादी वाले गांव को शहरों की तरह सुविधा प्रदान की जाएगी। 15 हजार के करीब गांव की आबादी को इसका फायदा होगा। सुरेंद्र, साब, मन्नी, सुशील ने कहा कि गांव में पीने के पानी की समस्या अब दूर होगी।

छातर गांव के बाद अलेवा गांव को भी महाग्राम योजना में शामिल करवाया जाएगा। अलेवा गांव में डिप्टी सीएम अलेवा गांव को महाग्राम योजना में शामिल करवाने का वादा करके गए हैं। छातर के बाद अलेवा गांव को भी महाग्राम में शामिल होने के बाद इसका फायदा होगा। शहर की तरह सुविधा ग्रामीणों को मिलेंगी।

-प्रो. जगदीश सिहाग, निजी सचिव, डिप्टी सीएम

महाग्राम में छातर गांव शामिल है। यहां पर सीवरेज लाइन, नया वाटर वर्क्स सहित अन्य कार्यों को लेकर 37 करोड़ का टेंडर लगाया गया है। शहरों की तरह सुविधाएं इस योजना के तहत ग्रामीणों को मिलेंगी।

-सुनीता एसडीओ, जन स्वास्थ्य विभाग, उचाना

शहरों क तर्ज पर विकसित होगा डिप्टी सीएम के हलके का गांव

जींद। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के विधानसभा क्षेत्र के गांव छात
शहरों की तर्ज पर विकास होगा। छातर गांव में नया वाटर वर्क्स ब
जाएगा। यहां पर अढ़ाई एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण होगा।
एकड़ में यहां पर निर्माण किया जाएगा। पुराने जलघर पर भी एमएलडी
ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जाएगा। पहली बार ग्राम स्तर पर सीवरेज लाइ
गांव में बिछाई जाएगी। यहां पर 12 एकड़ में एसटीपी तीन एमएलडी
बनाया जाएगा। यहां पर सीवरेज का पानी साफ होने के बाद खेतों के लि
इस्तेमाल हो सकेगा। यहां पर नौ एकड़ में तालाब बनाया जाएगा। गांव
बारिश के समय पानी भराव की समस्या थी वो भी सीवरेज लाइन बिछ
बाद दूर होगी। नया वाटर वर्क्स के निर्माण, पूरे गांव में सीवरेज लाइन बि
नए सिरे से पानी की पाइप लाइन बिछाने को लेकर 37 करोड़ रुपये खर्च क
इसको लेकर विभाग द्वारा टेंडर लगाया हुआ है। अबतक गांव में 55 लीट
व्यक्ति हर रोज सप्लाई पानी की जाती है। इसको बढ़ाते हुए 135 प्रति व
पीने के पानी की सप्लाई ये कार्य पूरा होने पर होगी। सरकार द्वारा छातर गां
महाग्राम योजना में शामिल किया गया है। जनस्वास्थ्य विभाग के एस
सुनीता ने बताया कि महाग्राम में छातर गांव शामिल है। यहां पर सीवरेज ल
नया वाटर वर्क्स सहित अन्य कार्यों को लेकर 37 करोड़ का टेंडर लगाय
है। शहरों की तरह सुविधाए इस योजना के तहत ग्रामीणों को मिलेंगी।

जमीन नाम नहीं कराने पर बेटों ने पिता व ताऊ को पीटा

जींद। गांव झील में जमीन नाम न करवाने पर बेटों ने अपनी मां के साथ मिल कर पिता व ताऊ पर हमला कर घायल कर दिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने घायलों की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामल दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव झील निवासी सत्यवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी तथा बड़े भाई जीवन की जमीन पर खेती करता है। उसके बेटे गुरमीत, सुमित, अपनी मां राजबाला के साथ मिल कर जमीन अपने नाम करवाना चाहते हैं। वह अपने खेत मे काम कर रहा था तो उसी दौरान उसकी पत्नी तथा दोनों बेटे खेत में पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। किसी तरह वह भाग कर खेत में बने कोठे की छत पर चढ़ गया। सूचना मिलने पर उसका भाई जीवन खेतों में पहुंच गया। आरोपितों ने उस पर भी हमला कर दिया। जिसमें दोनों भाइयों को काफी चोटें आई। सदर थाना नरवाना पुलिस ने

कबाड़ में लगी आग ने झुग्गियों को चपेट में लिया, बाल-बाल बच गए बच्चे

हिसार। शहर के विकास नगर में रविवार दोपहर को कबाड़ में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि इसने साथ लगती पांच झुग्गियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि यह कबाड़ किसी व्यक्ति ने यहां जमा किया था।

विकास नगर में कबाड़ की आग लगने की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और पांच गाड़ियों ने लगभग डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान झोपड़ियों में रखा सारा सामान और कबाड़ पूरी तरह से जलकर राख हो गया। प्रवासी मजदूर लाल मोहन पासवान ने बताया कि वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और हिसार में कबाड़ का काम करता है। उसने विकास नगर में खुले में कबाड़ एकत्रित किया हुआ था और लगभग दो-तीन महीने के बाद इसे बेच देता है। वह कबाड़ खरीदने के लिए शहर में गया हुआ था। इस दौरान सूचना मिली कि उसके कबाड़ में आग लग गई है। वह मौके पर पहुंचा तो कबाड़ से आग की लपटें उठ रही थीं। आग लगने से तीन से चार लाख का नुकसान हुआ है।

बताया जा रहा है कि कबाड़ में आग लगने से पास लगती झोपड़ियों में भी अचानक आग लग गई। झोपड़ियों में रहने वाले व्यक्ति काम करने के लिए गए थे। एक से दो झोपड़ी में बच्चे खेल रहे थे। आग लगने की सूचना

वाले गुरनाम, झबरू लाल, भगाराम, ओमाराम और रवि की झोपड़ियां जली हैं। इस दौरान फ्रिज, एलईडी टीवी, कपड़े धोने की मशीन, कूलर, गर्म कपड़े व सामान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि एक झोपड़ी में संदूक में रखे 10 हजार भी जलकर राख हो गए। प्रवासी मजदूर मुकेश ने बताया कि यहां करीब 4 से 5

महीने पहले ही झोपड़ियां डाली गई थीं। इससे पहले साथ लगती गली में उनकी झोपड़ियां थीं। पार्क बनने के बाद उन्होंने वहां से झोपड़ियों को हटा दिया और नई जगह पर झोपड़ियां बनाई थीं। सभी मजदूर लेंटर लगाने का काम करते हैं। आगजनी की सूचना मिलने पर 10 से 15 मिनट में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और

वेदों के सिद्धांतों के प्रचारक थे महर्षि दयानंद सरस्वती : बलवीर आचार्य

हिसार। वैदिक विद्वान प्रोफेसर बलवीर आचार्य ने कहा है कि कि भारतीय समाज के पुनर्जागरण में आर्य समाज और महर्षि दयानंद सरस्वती ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने विलुप्त वेदों के सार्वभौमिक, सार्वजनिक एवं सर्वकालिक ज्ञान-विज्ञान एवं सांस्कृतिक ज्ञान का प्रचार करके यह बताया कि मानव मात्र प्रभु के पुत्र हैं। प्रो. बलबीर सिंह आर्य रविवार को आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट के 137वें वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन की सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वेदों के अनुसार ना कोई छोटा है और ना बड़ा। स्त्री पुरुष सब बराबर है, छुआछूत समाज का कलंक है, सबको वेद पढने का अधिकार है। आधुनिक भारत में महिला और दलितों को वेद पढने का अवसर आर्य समाज ने दिया। कोलकाता से पहुंचे भजनोपदेशक कैलाश कर्मठ ने में डुबो दिया। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद के कारण ही दलित परिवारों के बच्चे वेदों के प्रचंड विद्वान बने और उन्होंने राष्ट्र के उत्थान में अपूर्व योगदान दिया। आज

भी आर्य समाज द्वारा संचालित गुरुकुलों में बिना किसी भेदभाव के सभी वेदों का अध्ययन कर रहे हैं। यज्ञ का संपादन वैदिक विद्वान कर्मवीर शास्त्री ने किया। मंच का संचालन स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने किया। कार्यक्रम के समापन पर

जगन्नाथ आर्य कन्या
माध्यमिक विद्यालय के अध्य
एवं छात्रों के अतिरिक्त आर्य स
के गणमान्य प्रधान हरिसिंह
प्रधान, मंत्री नरेंद्र मिगल

कार्यकारी प्रधान देवेंद्र सैनी,
प्रधान दलबीर आर्य, प्रचार
राधेश्याम आर्य, बलराज मं
नंदलाल चोपड़ा, डॉ. मिश्रीलाल
महावीर खेड़ा, सुरेंद्र रावल,
रावल, ईश आर्य, लालदेव श
विश्व देव शास्त्री, विनय म

बंदर ने चुराई श्रद्धा कपूर की ये खास चीज, एक्ट्रेस का रिएक्शन देख हो जाएंगे लोटपोट

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए वह कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है.

बंदर ने चुराई श्रद्धा कपूर की ये खास चीज

इस वीडियो को श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टा स्टोरी शेयर किया है, जहां बंदर एक्ट्रेस का स्नैक्स छुपके से चोरी कर रहा है. वहीं इसपर एक्ट्रेस ने मजेदार कैप्शन लिखा है. श्रद्धा ने लिखा कि चुरा लिया है तुमने जो....मेरा भाकरवड़ी के पैकेट को और कुछ नहीं चुराना...बंदर!!!

स्त्री 2 की शूटिंग में हैं व्यस्थ

वहीं एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर बहुत जल्द स्त्री 2 में नजर आने वाली हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में एक बार फिर राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी देखने को मिलेगी. वहीं फिल्म को अमर कौशिक डायरेक्ट कर रहे हैं. जुलाई में फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी. इस बात की जानकारी खुद श्रद्धा कपूर ने पोस्ट शेयर करके दी थी.

बता दें कि फिल्म अगले साल अगस्त के महीने में रिलीज होगी. फिल्म का पहला पार्ट बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुआ था. ऐसे में

फैंस इसके सीक्वल को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं.

धड़कन के सीक्वल में आएंगी नजर

इसके अलावा श्रद्धा कपूर साल 2000 में आई फिल्म ब्लॉकबस्टर फिल्म धड़कन के सीक्वल में भी नजर आने वाली हैं. टाइम्स नाउ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा सूरज पंचोली और फवाद खान लीड रोल में नजर आएंगे.

Yeh Rishta Kya Kehlata Hai में आएगा बड़ा ट्विस्ट, अभिरा-अरमान की शादी में होगा कुछ ऐसा, सभी रह जाएंगे दंग

टीवी के पॉपुलर सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में ऑडियंस जेनरेशन लीप देखा है. इसके बाद समृद्धि शुक्ला और शहज़ा धामी इस शो की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं. हाल ही में, मेकर्स दर्शकों के लिए शो का एक दिलचस्प प्रोमो पेश किया है.

ये रिश्ता क्या कहलाता है में आएगा बड़ा ट्विस्ट

इस प्रोमो में एक ऐसा ट्विस्ट दिखाया गया है जो अभीरा की जिंद को उलट-पुलट करने के लिए तैयार है. दर्शकों को शो में एक ब ड्रामा देखने को मिलेगा जिसमें अभिरा और अरमान को बचाने दौरान अक्षरा की मौत हो जाएगी, लेकिन यहां एक ट्विस्ट आ है, अभिरा और अरमान शादी कर लेते हैं.

अभिरा-अरमान की शादी में होगा कुछ ऐसा, सभी रह जाए दंग

अभिरा और अरमान की शादी और अक्षरा के निधन के बाद उन जीवन में जो ड्रामा सामने आता है, उसे देखना दिलचस्प होगा. इ पर बात करते हुए एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला उर्फ अभिरा शेयर कर हैं, अभिरा की दुनिया उसकी मां अक्षरा के निधन के कारण बिख गई है. अक्षरा ही अभिरा की दुनिया थी और अब उसकी मौत बाद अभिरा का जीवन बदल जाएगा.

एक्ट्रेस आगे बताती हैं- अभिरा और अरमान की शादी केवल अक्ष की आखिरी इच्छा को पूरा करने के लिए हुई है, जिसे वे दो अस्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि वे उसका प्यार और सम्म करते हैं. जो कुछ हुआ उससे अभिरा सदमे में है. अभिरा को अप सपने पूरे करने हैं और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इ सिचुएशन से कैसे निपटती है और परिवार में कैसे तालमे बिठाती है, जो उसके लिए नया है.बता दें कि ये शो सोमवार शुक्रवार रात 9.30 बजे स्टार प्लस आता है. ये रिश्ता क्या कहला है के निर्माता राजन शाही हैं.

जब सुपरस्टार के पिता ने नशे में किया था ऐसा कारनामा, चर्चा में आ गया था अमिताभ बच्चन की जंजीर का पोस्टर

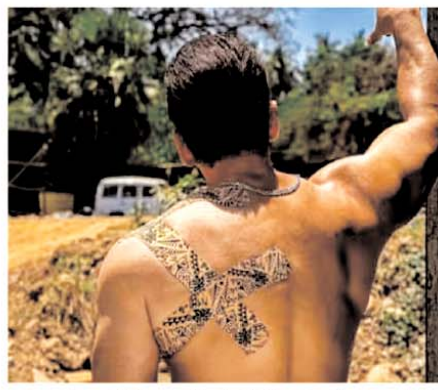

सलमान खान (Salman Khan) के पिता सलीम खान (Sali Khan) अपने दौर के मशहूर राइटर्स में से एक रहे हैं. उन्हों जावेद अख्तर (Javed Akhtar) के साथ मिलकर कई सुपरहि फिल्में लिखी हैं. जंजीर, दीवार, काला पत्थर, शोले जैसी मूवी को सलीम-जावेद की जोड़ी ने लिखा था. शुरुआत में दोनों स्ट राइटर्स को फिल्म के पोस्टर पर क्रेडिट नहीं मिलता था, फि सलीम खान ने एक ऐसा जुगाड़ लगाया, जिससे पूरे मुंबई अमिताभ बच्चन की एक फिल्म का पोस्टर चर्चा में आ गया था

प्रोड्यूसर ने क्रेडिट देने से कर दिया था मना

सलीम खान और जावेद अख्तर ने मिलकर अमिताभ बच्चन व सुपरहिट फिल्म जंजीर की स्क्रिप्ट लिखी थी. इसका निर्देश प्रकाश मेहरा ने किया था और प्रोड्यूसर भी वो ही थे. कुछ सम पहले जावेद अख्तर ने अरबाज खान के चैट शो द इंविंसिबल में खुलासा किया कि कैसे उनका और सलीम खान का ना जंजीर के पोस्टर्स पर लिखा गया था. उन्होंने बताया, एक दि हमने प्रकाश मेहरा से कहा कि फिल्म के पोस्टर्स में हमारा ना भी होना चाहिए. उन्होंने मना कर दिया और कहा कि राइटर्स व नाम? ऐसा होता है कभी?

सलीम खान ने नशे में किया था कारनामा

जावेद अख्तर ने आगे कहा, एक दिन सलीम खान नशे में थे औ उनके दिमाग में एक आइडिया आया. सलीम साहब ने प्रोडक्श के एक लड़के को दो जीप और पेंट लेकर बुलाया और कहा कि पूरी मुबंई में जंजीर के जितने भी पोस्टर्स लगे हैं, सब पर रिट बाय सलीम-जावेद लिख दो. ये आइडिया सलीम साहब का था. अगली सुबह पता चला कि हमारा नाम पोस्टर्स में अमिता बच्चन की नाक, जया के चेहरे और प्राण के माथे पर लिखा हुअ है. सबने चुप्पी साध रखी थी. उसके बाद हमें फिल्मों के पोस्ट में क्रेडिट मिलना शुरू हो गया था.

चमकी उठी थी अमिताभ बच्चन की किस्मत

बता दें कि अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) की फिल जंजीर (Zanjeer) साल 1973 में रिलीज होते ही बॉक्स ऑफि पर छा गई थी. इस मूवी ने ताबड़तोड़ बिजनेस किया था. जंजी की सक्सेस ने अमिताभ बच्चन को रातोंरात सुपरस्टार बना दि था और उनके करियर को नई उड़ान दी थी. इस फिल्म अमिताभ बच्चन को एंग्री यंग मैन का टैग मिला था.

तमन्ना भाटिया संग कब कर रहे हैं शादी? इस सावल पर Vijay Varrma ने तोड़ी चुप्पी

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा पिछले कुछ दिनों से अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. खबरें हैं कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं.वहीं

अब शादी की खबरों पर विजय वर्मा ने चुप्पी तोड़ी है. हाल ही में दिल्ली में साहित्य आजतक के इवेंट में विजय वर्मा ने शिरकत की. इस दौरान उन्हेंनों प्रोफेशनल लाइफ से लेकर अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी बात की.

तमन्ना भाटिया संग शादी के सवला पर विजय वर्मा ने तोड़ी चुप्पी

वहीं जब उनसे तमन्ना भाटिया संग शादी को लेकर सवाल किया गया, तो इसके जवाब में विजय वर्मा ने कहा कि कोई लड़की नहीं चाहती कि मैं शादी करूं...पहली बात तो! ना तो इसका जवाब मैं मां को दे पाता हूं ना किसी और को.वहीं विजय ने आगे ये भी बताया कि इस वक्त वह अपनी लाइफ का सबसे अच्छा समय जी रहे हैं. उन्होंने कहा कि उनका सबसे मुश्किल समय वह था जब उन्होंने लंबे समय तक मॉनसून शूटआउट की थियेट्रिकल रिलीज का इंतजार किया था.

अपने स्ट्रगलिंग फेज को किया याद

उन्होंने कहा कि कान्स फिल्म फेस्टिवल में इसे मिली सराहना के बाद मुझे उम्मीद थी कि इसकी रिलीज के बाद मेरी जिंदगी में काफी बदलाव आएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ. वहीं एक्टिंग की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए मुझे फिर से शुरुआत करना पड़ा और

सुसाइड करने वाले युवक का वीडियो वायरल, मरने से पहले बनाया, पत्नी व साली पर प्रताड़ना के आरोप

पुष्पांजली टुडे

मैहर।मैहर जिले में इस वायरल वीडियो की काफी चर्चा है। युवक ने आत्महत्या करने से पहले ये वीडिओ बनाया इसमें वह अपनी व्यथा सुनाते हुए कह रहा है कि वह अपनी पत्नी व साली से परेशान है। ये दोनों उसे मानसिक रूप से प्रताड़ति कर रहे हैं। यह वीडियो 15 दिन पहले का है। बता दें कि युवक ने 22 नवंबर की शाम आत्महत्या कर ली थी इस बारे में परिजनों का कहना है कि 08 फरवरी 2023 को युवक आशु की शादी बिहरा निवासी माला मिश्रा से हुई थी

शादी के बाद ही झगड़ा-शादी के कुछ दिनों बाद दोनों के बीच काफी झगड़े भी होने लगे अचानक उसकी पत्नी और साली द्वारा उसको प्रताड़ित किया जाने लगा बीते 04 नवंबर को इसकी शिकायत भी मृतक

ने अमरपाटन थाने में दर्ज करवाई थी मगर कार्रवाई न होने के चलते लगतर युवक प्रताड़ना का शिकार हो रहा था 22 नवंबर को उसने अपनी जिंदगी को अलविदा कह दिया हालांकि युवक के मौत के बाद भी पुलिस की सक्रियता नजर नहीं आई है। परिजनों का आरोप है कि आजतक कोई कार्रवाई नहीं की गई परिजनों का कहना है कि पुलिस की लापरवाही के चलते उनके बेटे की जान गई है।

नए सिरे से हो सकती है जांच-वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अब नए सिरे से जांच कर सकती है। वहीं, जिसने भी ये वीडियो देखा वह हैरान है। लोगों का कहना है कि सुखी परिवार कैसे बर्बाद होता है कलह में, ये उसका एक नमूना है। ये वीडियो सोशल मडिया पर लोग जमकर शेयर कर रहे हैं। हालांकि इस मामले में मैहर पुलिस अभी कुछ भी कहने से बच रही है। लेकिन बताया जाता है कि पुलिस अफसरों ने इस मामले को गंभीरता से लिया है।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अहमद रजा के नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अहमद रजा द्वारा अपने उद्ववोधन में कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बडा लिखित संविधान है हमें सविधान के आदर्शों का पालन करते हुये देश को प्रगति के पथ पर ले जाना है। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप विशेष न्यायाधीश पाक्सों न्यायालय श्रीमती कंचन गुप्ता द्वारा पाक्सों अधिनियम से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने छात्रों को निःशुल्क विधिक सहायता से अवगत कराया। चीफ लीगल एड डिफेस कौसिल श्री सुरेन्द्र सिंह ने जमानत सबंधी प्रावधानों की जानकारी दी। डिप्टी चीफ श्री आनंद पाण्डेय ने किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी तथा असिस्टेंट लीगल एड डिफेस कौसिल श्री अनीश कुमार पाण्डेय ने संविधान एवं उसकी चुनौतियों के विषय में बताया। असिस्टेट लीगल एड डिफेस कौसिल श्रीमती आरती तिवारी ने महिला सशक्तिकरण पर अपने बिचार व्यक्त किये। महाविद्यालय के प्रचार्य श्री योगेन्द्र तिवारी ने संविधान के आदर्शों पर अपना विचार व्यक्त किये। संचालन सहायक प्राध्यापक श्री रबीन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेस कौसिल श्री मजूर अहमद, सहायक प्राध्यपक भोला प्रसाद साहू, अनूप सिंह, लोक नरायण मिश्रा, श्रीमती ममता पाण्डेय एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राये उपस्थित रहे।

पेंटियम पॉइंट में उत्साह से मनाया गया संविधान दिवस, याद किए गए बाबा साहब अम्बेडकर

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

रीवा।जिले में स्थित पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ़ लॉ) के करहिया परिसर में रविवार को संविधान दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई, इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक एसके त्रिपाठी, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला, पेंटियम पॉइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ़ लॉ) के प्राचार्य डॉक्टर पीएन शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधि के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संविधान के प्रति जागरूकता तथा संविधान का भारतीय जनमानस में महत्व को प्रदर्शित किया गया।समाज में लोगों को संविधान के प्रति जागरूक करने के लिए भी संदेश दिया गया। महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में 26 नवम्बर 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ था। उसके बाद से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान में लिखित तथा उल्लिखित बातों का हम सभी को पालन करना चाहिए। पेंटियम पॉइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ सीमा शुक्ला ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में अम्बेडकर जी का जो योगदान रहा है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। संविधान दिवस के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा और लिखित संविधान है। इसको बनने में 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन लगे थे। इस मौके पर पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज (कॉलेज ऑफ़ लॉ) के प्राचार्य डॉ पीएन शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हमारी

सभ्यता और संस्कृतियों का समागम है। संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए स्वतंत्र न्यायालयों की स्थापना की गई है। हमें अधिकारों के साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों के द्वारा भी संविधान के बारे में अपनी बात रखी गई।इस कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो विधि शम्भरकर द्वारा किया गया। साथ ही इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो अभिषेक सर ,प्रो रत्नेश मोहन मिश्रा, प्रो दीपक शुक्ला एवम विधि के समस्त छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

मीडिया सेंटर से पत्रकारों को मिलेगी मतगणना की जानकारी

पुष्पांजली टुडे

रीवा। **रीवा जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन** दिसम्बर को प्रातः 8 बजे शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा में आरंभ होगी। मतगणना की जानकारी देने के लिए इंजीनियरिंग कालेज परिसर में मीडिया सेंटर बनाया जा रहा है। मीडिया सेंटर से पत्रकारों को मतगणना की लगातार जानकारी दी जाएगी। विधानसभावार तथा प्रत्येक चक्रवार उम्मीदवारों को प्राप्त मतों की जानकारी देने के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि मीडिया सेंटर में जनसंपर्क अधिकारियों के साथ-साथ पाँच अन्य अधिकारी तैनात किए गए हैं। इनके द्वारा पत्रकारों को मतगणना के कवरेज में सहयोग दिया जाएगा। प्राधिकृत प्रवेश पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर से कवरेज की सुविधा मिलेगी

चार पहिया वाहनचालक और सवारी को सीटबेल्ट लगाना अनिवार्य - पुलिस अधीक्षक

दोपहिया वाहनचालक और पीछे बैठने वाले को हेलमेट पहनना अनिवार्य

पुष्पांजली टुडे
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ रीवा)

रीवा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार चार पहिया वाहन के चालक तथा सवारियों को सीटबेल्ट पहनना अनिवार्य किया गया है। इसी तरह दोपहिया वाहन के चालक तथा साथ में बैठने वाले को हेलमेट पहनना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि सभी वाहन चालक माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए स्कूटर, मोटरसाइकिल, स्कूटी आदि चलाते समय चालक तथा पीछे बैठने वाला दोनों व्यक्ति हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें। इसी तरह चार पहिया वाहन के चालक तथा उसमें बैठने वाले सीटबेल्ट अवश्य लगाएं। वाहन दुर्घटनाएं रोकने तथा दुर्घटना के कारण असमय होने वाली मौत को रोकने के लिए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिए गए हैं। रीवा जिले में यातायात पुलिस 20 नवम्बर से आगामी 10 जनवरी तक लगातार 50 दिनों तक विशेष अभियान चला रही है। अभियान के दौरान दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीटबेल्ट लगाने की समझाइश दी जा रही है। इसका उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध लगातार चालानी कार्यवाही भी की जा रही है। सभी दोपहिया तथा चार पहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करें। हेलमेट और सीटबेल्ट आपकी सुरक्षा के लिए हैं। इनका उपयोग न करके आप एक ओर अपने जीवन को खतरे में डालते हैं। दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करके दण्ड के भागी बनते हैं। वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें तथा पूरी सावधानी बरतें।

समिति ने जब्त सामग्री और राशि रिलीज की

पुष्पांजली टुडे

रीवा। विधानसभा चुनाव के दौरान विधानसभा क्षेत्र मऊगंज में फ्लाइंग स्क्वाड दल द्वारा जाँच के दौरान तीन अलग-अलग व्यक्तियों से नकद राशि तथा सामग्री जब्त की गई। जब्त सामग्री को सील बंद करके जिला कोषालय में जमा कराया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नोडल अधिकारी व्यय अनुवीक्षण डॉ सौरभ सोनवणे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक में इन प्रकरणों पर विचार किया गया। विचार के उपरांत समिति ने 90 हजार रुपए की नकद राशि तथा जब्त सामग्री को रिलीज करने के आदेश दिए हैं। इस संबंध में जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार श्री गिरधारीलाल से जब्त 90 हजार रुपए राशि के संबंध में उपयुक्त अभिलेख प्रस्तुत करने पर रिलीज कर दी गई है। श्री विनोद कुमार भुजवा निवासी ब?ौरा जिला सीधी से पिकप वाहन से जब्त किए गए 600 कम्बल भी समिति द्वारा रिलीज कर दिए गए हैं। श्री भुजवा द्वारा समिति के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर कंबलों के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। समिति द्वारा श्री प्रशांत वर्मा से जब्त किए गए दो लाख 10 हजार रुपए के आभूषण भी रिलीज कर दिए गए हैं। श्री वर्मा द्वारा आभूषणों के संबंध में अभिलेख प्रस्तुत किए गए थे। अभिलेखों के परीक्षण के बाद संतुष्ट होने पर समिति ने आभूषण रिलीज करने के आदेश दिए।

गुरु नानक देवजी के 554वें प्रकाश पर्व पर विशेष गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

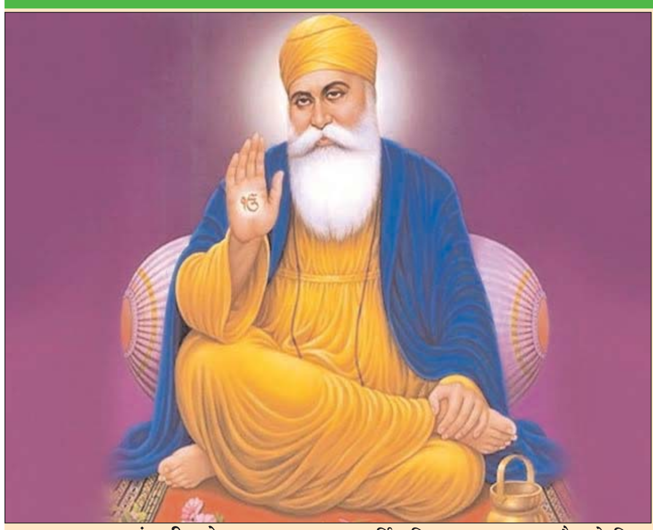

पुष्पांजली टुडे

आग लगी आकाश में झर-झर गिरे अंगार, संत न होते जगत में तो जल मरता संसार। प्राचीन काल से भारत की धरती ऋषि-मुनियों एवं संतों की पावन धरा रही है व संस्कृति एवं सभ्यता को आगे बड़ाने में विभिन्न कालखंडों में अलग अलग महान संत, महात्माओं एवं ऋषियों का हमेशा मार्गदर्शन रहा है। भारत वर्ष अपनी अध्यात्मिक श्रेष्ठता के कारण ही विश्वमंच पर धर्म गुरू की उपाधि से अपनी अलग पहचान रखता है। गुरु नानक देव जी भारत की महानतम आध्यात्मिक विभूतियों में से एक थे। गुरु नानक देव जी ने अपना पूरा जीवन समाज को सदमार्ग दिखाने के लिए समर्पित किया था । भारत और पूरे विश्व में महान संत और सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देवजी का 554वां प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। कहा जाता है कि कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष कि पूर्णिमा तिथि पर गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। इस साल कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर को है, इसलिए 27 नवंबर को ही सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी जयंती मनाई जा रही है। गुरु नानक देव की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है।गुरुनानक देव जी सिखों के प्रथम गुरु थें। सिख धर्म की स्थापना 15वीं शताब्दी में भारत के उत्तर-पश्चिमी पंजाब प्रांत में गुरुनानक देव जी ने की थी। गुरुनानक देव जी के अनुयायी इन्हें गुरु नानक, बाबा नानक और नानकशाह नामों से संबोधित करते हैं। अंधविश्वास और आडंबरों के कट्टर विरोधी नानक जी का जन्म 1469 में कार्तिक पूर्णिमा को पंजाब (पाकिस्तान) क्षेत्र में रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी गांव में एक हिंदू परिवार में हुआ । तलवंडी को अब ननकाना साहिब के नाम से जाना जाता है। तलवंडी पाकिस्तान के लाहौर जिले से 30 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। 16 वर्ष की उम्र में गुरुनानक देव जी का विवाह गुरदासपुर जिला के लाखौकी नामक स्थान की रहने वाली सुलक्खनी से हुआ। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थें। पुत्रों के जन्म के बाद गुरुनानक देव अपने चार साथी मरदाना, लहना, बाला और रामदास के साथ तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। 1521 तक इन्होंने तीन यात्राचक्र पूरे किए, जिनमें भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के मुख्य मुख्य स्थानों का भ्रमण किया। इन यात्राओं को पंजाबी में ÷उदासियाँ÷ कहा जाता है। गुरु नानक देव जी ने 7500 पंक्तियां की एक कविता लिखी थी, जिसे बाद में गुरु ग्रन्थ साहिब में शामिल कर लिया गया । 'गुरु ग्रंथ साहिब' सिख संप्रदाय का प्रमुख धर्मग्रंथ है। गुरुनानक देव जी ने मृत्यु से पहले अपने प्रिये शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था जो बाद में गुरु अंगद देव के नाम से जाने गए। गुरुनानक देव जी ने करतारपुर नामक एक नगर बसाया, जो अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित नारोवाल जिले में है। भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा से करतारपुर 3.80 किलोमीटर दूर है। गुरुनानक ने अपनी जिंदगी के आखिरी 17 साल 5 महीने 9 दिन यहीं करतारपुर में गुजारे थे और 22 सितंबर 1539 को अपनी जिंदगी की आखिरी सांस ली थी। सिख समुदाय के लिए करतारपुर साहिब एक पवित्र तीर्थ स्थल है।गुरु नानक देव जी ने सदा ही पूरी मानवता के कल्याण के लिए सोचा और समाज को हमेशा सत्य, कर्म, सेवा, करुणा और सौहार्द का मार्ग दिखाया। उनके अनुयायियों में हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही थे; तभी तो उनके बारे में एक लोकोक्ति अत्यंत लोकप्रिय रही

गुरु नानक एक शाह ड़ड़ीर,
हिन्दू का गुरु, मुस्लिम का पीर।

गुरु नानक देव जी ने सदियों पहले जिस लंगर परंपरा की शुरुआत की थी वह परंपरा आज भी कायम है ढ्ढ दरअसल, बचपन में गुरु नानक देव के पिता मेहता कालू ने एक दिन घर में सौदा (राशन) लाने के लिए नानक को पैसे दिए थे। नानक घर से निकले तो रास्ते में कुछ भूखे साधु-संत दिखाई दिए। नानक ने उसी पैसों से सभी भूखों को भोजन करवा दिया और खाली हाथ घर लौट आए। पिता द्वारा राशन लाने के लिए दिए गए पैसों से नानक देव ने संतों को भोजन कराया था, उसी की याद में आजकल गुरुद्वारों में लंगर होता है। आज भी प्रतिदिन गुरुद्वारा में अरदास (प्रार्थना) के अंत में कहा जाता है– 'नानक नाम चढ़दी कला तेरे भाणे सरबत दा भला' ।

मेरा (युद्धवीर सिंह लांबा, वीरों की देवभूमि धारौली) मानना है कि गुरु नानक जी की शिक्षाओं को आत्मसात कर मनुष्य को न केवल अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए बल्कि अपनी भावी पीढ़ियों को भी प्रेरणा देते हुए संस्कारवान बनाना चाहिए। गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं हमें सत्य एवं सामाजिक सद्भावना के मार्ग पर चलने का ज्ञान देती है । गुरु नानक देव जी ने जो शिक्षा एवं संदेश समाज को दिया, वह आज भी प्रासंगिक है और समूची मानवता के लिए बहुमूल्य मार्ग दर्शन है, जिन्हें अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकते है। जब तक हम उनकी दी गई शिक्षाओं को नहीं अपनाते तब तक हमारा जीवन अधूरा है।

नानक नाम जहाज है, चढ़े सो उतरे पार,
जो श्रद्धा कर सेव दे, गुरु पार उतारण हार।

लेखक युद्धवीर सिंह लांबा, वीरों की देवभूमि धारौली, जिला झज्जर, हरियाणा 9466676211 एक समाज सेवी है

सिंधिया स्कूल में बिजनेस फेस्ट, ब्रेनी बग्स का फाइनल राउंड खेला गया

ग्वालियर । सिंधिया स्कूल में दो दिवसीय बिजनेस फेस्ट, दूसरा दिन था। इस प्रतियोगिता में देहरादून से इंडियन पब्लिक स्कूल, नोएडा सेजेनेसिस ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल, भोपाल से संस्कार वैली स्कूल तथा ग्वालियर से सिंधिया कन्या विद्यालय व मेजबान सिंधिया स्कूल की टीमें भाग ले रही हैं।

समिट के दूसरे दिन आर्थिक प्रश्न-मंच ÷ब्रेनी बग्स÷ का फाइनल राउंड भी खेला गया। इस प्रतियोगिता में सिंधिया स्कूल, ग्वालियर प्रथम स्थान पर तथा इंडियन पब्लिक स्कूल देहरादून द्वितीय स्थान पर रहा। प्रत्येक विद्यालय से दो प्रतियोगियों ने इसमें भाग लिया। आज के क्विज मास्टर थे सिंधिया स्कूल में मनोविज्ञान के अध्यापक श्री कमलेश सिंह। आज कॉमर्स कार्निवाल का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रतियोगियों ने अलग-अलग स्टॉल बनाकर अपने व्यवसायिक विचारों से लोगों को अवगत कराया ।इसके अतिरिक्तस्टॉकएक्सीलेटर नामक एक मॉक स्टॉक एक्सचेंज बनायाजिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रकार की कंपनियों में अपने शेयर इन्वेस्ट किए । इसमें संयोजक द्वारा किसी भी प्रकार रिफरेन्स मैटेरियल उपलब्ध नहीं कराया गया था। आज के समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे आईटीसी होटल के पूर्व सी.ई.ओ दीपक हक्सर। हक्सर ने कहा कि किसी भी एंटरप्रेन्योर में साहस, संवेदना, मेहनत और समय पालन का होना बहुत आवश्यक है।एंटरप्रेन्योर किसी भी उम्र का हो सकता है। किसी भी कंपनी में यदिकोई एंटरप्रेन्योर हैतो उसकीमदद की जानी चाहिए ताकि उसके सपने को उड़ान मिल सके।

इस अवसर परप्रेस्टीज स्कूल आफ मैनेजमेंट की प्राध्यापिका डॉ. तारिका सिंह सिकरवार व सुश्री स्नेहा राजपूत तथा ग्वालियर के उद्योगपति विक्रांत बंसल ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए प्रतियोगियों के समक्ष अपने विचार भी रखे। इस कार्यक्रम के प्रतियोगिता के परिणाम कुछ इस प्रकार रहे ÷पिच पावरप्ले÷ में सिंधिया स्कूल ग्वालियर के तनुज सोमानी और नितिन ज्योति नाथ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।क्विज के विजेता रहे सिंधिया स्कूल के ही सुजीत तपाड़िया एवं केशव वल्लभ भगत,÷स्टॉक एक्सीलेटर÷ के विजेता रहे जेनेसिस ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल, नोएडा के छात्र चैतन्य अवस्थी, ÷ए डी क्रेस्ट÷ के विजेता रहे संस्कार वैली, भोपाल के भव्यराज सिंह एवं आराध्या सोनी, कॉमर्स कार्निवल के विजेता रहे सिंधिया स्कूल के समीप मोदी व यश अग्रवाल, और सिंधिया कन्या विद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा सिंधिया स्कूल, ग्वालियर को ओवरऑल ट्रॉफी मिली, मेजबान स्कूल

ओवरऑल ट्रॉफी नहीं रखता इसलिए यह ट्रॉफी द्वितीय स्थान प्राप्त सिंधिया कन्या विद्यालय ग्वालियर को सौंप दी गई।

इस अवसर पर सिंधिया स्कूल के प्राचार्य श्री अजय सिंह, उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी के अतिरिक्त विद्यालय के प्रशासकीय अधिकारी कर्नल डी.. के. फराशवाल, सिंधिया स्कूल के गतिविधि प्रभारी श्री धीरेंद्र शर्मा, आई. टी. के प्रभारी श्री राजकुमार कपूर, सिंधिया स्कूल के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री अशोक शिवरामन,अध्यापकगण तथा छात्रगण उपस्थित रहे।

ग्वालियर में ठंड ज्यादा लेकिन स्कूल समय नहीं बदला, भोपाल–इंदौर में बदला

ग्वालियर। ग्वालियर में मावठ की बारिश के साथ ठंड पड़ने लगी है और छोटे-छोटे बच्चों को ठंड में स्कूल जाने में बेहद परेशानी हो रही हैं। लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बच्चों के स्कूल लगने का समय अभी तक नहीं बदला हैं।मजे की बात यह है कि भोपाल और इंदौर में ग्वालियर से कम ठंड पड़ती है, लेकिन वहां के जिला प्रशासन ने कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के कक्षा के बच्चों के लिये स्कूल 9 बजे से करने के आदेश दे दिये है। साथ ही आदेश में कहा है कि किसी भी स्थिति में शासकीय, अशासकीय, अनुदा प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, माध्यमिक शिक्षा मंडल में अध्ययनरत नर्सरी से पांचवीं कक्षा की समस्त शालाओं का संचालन किसी भी स्थिति में प्रातः 9 बसे से पूर्व नहीं किया जाये। इंदौर जिला कलेक्टर डा. इलैया राजा टी एवं भोपाल जिला कलेक्टर आशीष सिंह के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा है कि उक्त आदेश आज 28 नवंबर से तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

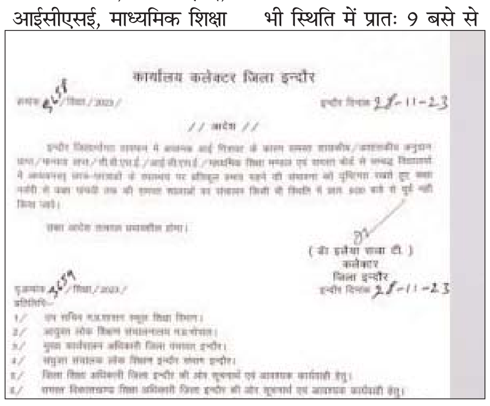
कार्यालय कलेक्टर जिला इन्दौर
// आदेश //
इन्दौर दिनांक 28-11-23
कलेक्टर
जिला इन्दौर
इन्दौर दिनांक 28-11-23

ग्वालियर में ठंड ज्यादा फिर भी समय नहीं बदला–वहीं ग्वालियर में भोपाल इंदौर से ज्यादा ठंड पड़ने लगी है। लेकिन फिर भी स्कूलों का समय नहीं बदला हैं। इस संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार का कहना है कि ग्वालियर में इसकी प्रक्रिया विचाराधीन हैं, लेकिन अभी आदेश नहीं निकाला है।

जैन मुनि को दर्शन से रोका ,सिंधिया स्कूल गेट पर धरने पर बैठे मुनि

ग्वालियर। सिंधिया स्कूल ग्वालियर दुर्ग पर आज एक जैन मुनि आचार्य विबुद्ध सागर महाराज उस समय से गेट पर ही धरने पर बैठ गये जब उन्हें सिंधिया स्कूल प्रशासन ने स्कूल के अंदर बने प्राचीन वर्धमान जैन मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश नहीं करने दिया। उसके बाद से ही जैन मुनि दर्शन की इच्छा को लेकर गेट पर ही धरने पर बैठ गये वहीं उनके साथ कुछ जैन समाज के लोग भी धरने पर साथ बैठे हैं। उधर जैन मुनि ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें मंदिर के दर्शन नहीं करने दिये तो वह अपनी अंतिम सांस तक यही बैठे रहेंगे।

जैन मुनि आचार्य विबुद्ध सागर महाराज अपने प्रवास पर ग्वालियर हैं। ऐसे में उन्होंने दुर्ग पर स्थित प्राचीन वर्धमान मंदिर दर्शन की इच्छा व्यक्त करते हुये किले के लिए कूच कर दिया बाद में उन्हें दुर्ग पर सिंधिया स्कूल के गेट पर ही रोक लिया गया। इसका विरोध करते हुये मुनि महाराज मौके पर ही बैठ गये। इसकी जानकारी लगते ही पुलिस और प्रशासन भी मौके पर पहुंच गया। वहीं मुनि महाराज अपनी जिद पर अडे हुये हैं। उन्होने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें दर्शन नहीं करने दिये तो वह अंतिम सांस तक वहीं बैठे रहेंगे। बताया जाता है कि रात्रि में मुनि महाराज को ग्वालियर की सर्दी से बचाने के लिये टेंट भी लगाने वाले पहुंचे, लेकिन उन्हें भी सिंधिया स्कूल प्रशासन ने टेंट नहीं लगाने दिया। बताया जाता है कि वर्धमान जैन मंदिर और सिंधिया स्कूल का एक वाद भी दिल्ली के न्यायालय में चल रहा है। जैन मुनि के साथ सुभाष चन्द्र जैन दाउ, पवन जैन एडवोकेट, अशोक जैन आदि भी बैठे हैं।

दस हजार के इनामी आरोपी को उटीला पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर । दीवाली साल भर का त्योहार था लेकिन काशीपुरा गाँव के लिये यह त्यौहार डरावना हो गया था। अजय सिंह (परिवर्तित नाम) द्वारा जानलेवा फायरिंग कर रामवीर चौहान व उसके बेटे गोविंद चौहान को घायल किया गया था। फरियादी पक्ष की महिलाओं को लत व अभद्र कमेंट्स किए थे, उसी को लेकर पी?ित पक्ष ने मना किया तो दबंगई दिखाते हुए जानलेवा हमला किया था।

पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (उत्तर) अमृत मीना, एसडीओपी बेहट संतोष पटेल एवं थाना प्रभारी उटीला दिलीप समाधिया मौ? पर रहे। जैसे ही पुलिस अधिकारी वापस गाँव से आये पुनः पीड़ित पक्ष की ओर से ?ोन आने लगे कि फायरिंग हो रही है। दीवाली के दिन व रात समझ में नहीं आ रहा था कि पटाखे फूट रहे हैं कि फायरिंग हो रही है। पुलिस ने एक आरोपी को दिन में ही गिरफ्तार कर लिया था शेष मुख्य आरोपी अजय सिंह (परिवर्तित नाम) ?रार था। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन में डायल 100 को काशीपुरा गाँव में ही रखा गया। थाना प्रभारी उटीला द्वारा उपनिरीक्षक शुभम् शर्मा द्वारा रात्रि में भदावना के जंगल में दबिश दी गई, जहां आरोपी को अधिया बंदूक व सात जिंदा कारतूस के साथ एक काले रंग का बिल्डोरिया पट्ठा 25 खाँचे जप्त किया। पुलिस जंगल हार खेत से आरोपी को पकड़कर घटना स्थल की तस्दीक हेतु लेकर आई तो आरोपी ने जहां फायरिंग की थी वहीं देवी के सामने माथा टेककर कभी ने बंदू? उठाने की कसम खाई और पीड़ित पक्ष की महिलाओं में ख़ुशी की आंसू दिखे क्योंकि उन्हें बार-बार धमकी मिल रही थीं। वृंदावन गोले के तीनों ल?कों अजब, पिंकी व रामवीर पर हत्या, हत्या के प्रयास, चोरी, बलवा सहित दर्जनों आपराधिक रिकॉर्ड है। आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी उटीला दिलीप समाधिया, प्रकरण के विवेचक उपनिरीक्षक शुभम् शर्मा, सउनि हरिओम शर्मा, आर. अनिल शर्मा, आर शैलेंद्र चौहान, आर परमानंद, सहदेव यादव, आर प्रवेंद्र सिंह, आर नरेंद्र पलिया की सराहनीय भूमिका रही।

महामाया शक्ति पीठ में टनल के श्रमिकों की सकुशल वापसी को महामृत्युंजय जाप

ग्वालियर। महामाया शक्तिपीठ गालवधाम ग्वालियर के पीठाधीश्वर महर्षि बालकृष्ण कोडातकर ने उत्तर काशी टनल हादसे में फंसे 41 मजदूरों की सफल वापसी व जीवन रक्षा के लिये किये जा रहे प्रयासों के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की है, साथ ही महामाया शक्तिपीठ में सभी 41 मजदूरों की जीवन रक्षा के लिये महामृत्युजंय जाप भी शुरू किया हुआ है। महर्षि कोडातकर के अनुसार मैने बाबा बौखनाथ से भी सभी मजदूरों की जीवन रक्षा के लिये प्रार्थना की है। सभी की सकुशल वापसी के उपरांत महामाया शक्तिपीठ गालवधाम हरिनंद काम्पलेक्स चिटनिस की गोठ पर यज्ञ हवन कर महामृत्युजंय महादेव को पूर्णाहुति भी अर्पित की जायेगी। ज्ञांतव्य है कि महामाया शक्ति पीठ में पीठाधीश्वर महर्षि बालकृष्ण को?ातकर ने श्रमिकों के टनल में फंसने के बाद लगातार उनकी जीवन रक्षा के लिये बाबा बौखनाथ की पूजा अर्चना की व महामृत्युंजय जाप शुरू किया था।

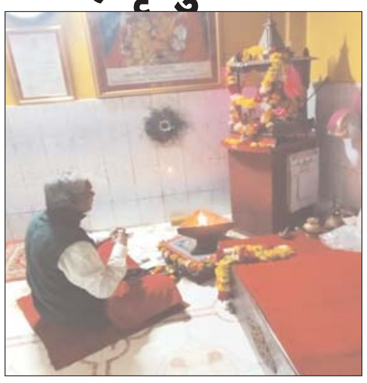

डाक मत पत्र की गिनती के लिये नियुक्त अधिकारियों को किया प्रशिक्षित

ग्वालियर 7 डाक मत पत्रों की गणना करने के लिये तैनात किए गए गणना पर्यवेक्षकों व गणना सहायकों को मंगलवार को यहाँ जिला पंचायत के सभागार में प्रशिक्षित किया गया। साथ ही डाक मत पत्रों की निगती की निगरानी के लिये तैनात किए गए माइक्रो आब्जर्वर्स को भी इस अवसर पर प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में डाक मत पत्र की गिनती से संबंधित तमाम बारीकियां विस्तारपूर्वक समझाई गईं। डाक मत पत्रों की गिनती के लिए 32 माइक्रो ऑब्जर्वर, 32 गणना पर्यवेक्षक, 64 गणना सहायक और 4 रनर अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि 3 दिसम्बर को डाक मत पत्रों की गणना प्रात- 8 बजे से शुरू होगी। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एसबी ओझा ने प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी कि डाक मत पत्रों की गणना के दौरान सबसे पहले प्रारूप 13-सी का ब?ा लिफाफा खोला जायेगा। इस लिफाफे में निर्वाचन की घोषणा निर्धारित प्रपत्र 13-ए एवं डाक मत पत्र का लिफाफा 13-बी होगा। यदि ब? लिफाफे में कोई एक सामग्री मिले तो उसे अस्वीकृत कर सील लगाकर बंडल में रखा जायेगा। सर्वप्रथम निर्वाचक की घोषणा प्रारूप 13-ए की संवीक्षा होगी। जिसमें खासतौर पर डाक मत पत्र क्रमांक, निर्वाचक के हस्ताक्षर

और अनुप्रमाणनकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर देखे जायेंगे। त्रुटि मिलने पर डाक मत पत्र निरस्त कर सील लगाई जायेगी। प्रशिक्षण के दौरान गणना अधिकारियों से कहा गया कि पूरी पारदर्शिता के साथ डाक मत पत्रों की गिनती करें। अर्थात प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं की संतुष्टि के साथ डाक मत पत्रों की गिनती को अंतिम रूप दें। 21 टेबलों पर होगी डाक मत पत्रों की गिनती

जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे ने बताया कि जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में डाक मत पत्रों की गिनती के लिये कुल 21 टेबल लगाई जायेंगीं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में 2 टेबल, ग्वालियर में 5 टेबल, ग्वालियर पूर्व में 6, ग्वालियर दक्षिण में 4, भितरवार में 2 एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र डबरा (अजा) में डाक मत पत्रों की गिनती के लिए 2 टेबल लगाई जायेंगीं। हर गणना टेबल पर एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी, एक माइक्रो ऑब्जर्वर, एक गणना पर्यवेक्षक व दो गणना सहायक तैनात किए जायेंगे। डाक मत पत्र अस्वीकृत होने के कारण बताए

राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर एसबी ओझा ने डाक मत पत्र निरस्त होने से संबंधित कारणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी को मत नहीं दिया गया हो, एक से अधिक उम्मीदवारों को मत दिया हो, मत पत्र नकली अथवा विकृत हो व मत पत्र निर्धारित लिफाफे में नहीं हो तो डाक मत पत्र निरस्त माना जायेगा। साथ ही यदि निर्वाचक की पहचान स्थापित हो रही हो, घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर न हों, घोषणा पत्र प्रमाणित न हो, घोषणा पत्र नहीं हो इत्यादि कारणों से भी डाक मत पत्र अस्वीकृत माना जायेगा। घोषणा पर अंकित डाक मत पत्र क्रमांक एवं मत पत्र के लिफाफे पर अंकित मत पत्र क्रमांक में भिन्नता होने पर भी डाक मत पत्र अस्वीकृत माना जायेगा।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आशीष चौहान जी एफ.पीए.आई ग्वालियर शाखा पर हृदय रोग मरीजों का 30 नवंबर को करेंगे परीक्षण

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा चलाई जा रही ग्लोबल फंड परियोजना के अंतर्गत हार्ट केयर सेंटर के सहयोग से ग्वालियर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर आशीष चौहान जी एम.डी डी.एन.बी कार्डियोलॉजिस्ट करेंगे मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण।स्वास्थ्य परीक्षण में मुख्य अतिथि के रूप में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आशीष चौहान जी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के चेयरपर्सन डॉक्टर के.के. दीक्षित जी भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही विशेष अतिथि के रूप में संस्था की फाइनेंस एडवाइजर श्रीमती कृति सिंह, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती शशि बिसेन,सदस्य श्री भूपेंद्र सिंह तोमर, यूथ मेंबर आकृति परमार ,अंकित प्रजापति एवं संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित जी भी उपस्थित रहेंगी ।कार्यक्रम में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अछेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे। शिविर का समय 11ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक रहेगा। शिविर का स्थान एफ.पी.ए. आई.416 पंडित विहार कॉलोनी गोले का मंदिर ग्वालियर म. प्र.यह जानकारी संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अछेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

कार्तिक मास में किया तुलसी विवाह और समाप्ति पर किया दीपदान

ग्वालियर । आदर्श कॉलोनी महिला मंडल ने कार्तिक मास के प्रारंभ से हरिहर मंदिर आदर्श कॉलोनी में प्रातः उठकर पूरे महीने तुलसी जी का पूजन कर प्रतिदिन आरती की और कार्तिक पूर्णिमा पर तुलसा जी का शालिग्राम जी के साथ विवाह किया विवाह का विधिवत पूजन पंडित मनोज शास्त्री द्वारा कराया गया एवं कार्तिक की समाप्ति पर दीपदान कर घर परिवार के साथ-साथ प्रदेश एवं देश की खुशहाली की कामना कआयोजन में महिला मंडल की कमलेश बेरी, लक्ष्मी विरमानी, निर्मल अरोड़ा, राज अरोड़ा बिमला नारंग ,विमल कथूरिया, सीमा अरोड़ा, राखी अरोड़ा, ममता नागपाल ,इंदु अरोड़ा, सुदेश बत्रा ,उषा घई, कविता अनेजा, ज्योति बत्रा, सीमा कथूरिया, मंजू खुराना, पुष्पा खुराना, निधि बत्रा, स्वाति बत्रा, वीनू अरोड़ा, कामिनी नागपाल, सरला कवातड़ा, अंशु मदन, राज कथूरिया, राज चचडा, सरोज कथुरिया ,वीणा शर्मा, मीडिया प्रभारी राजू पंडित आदि काफी संख्या में महिला मंडल ने बड़े हर्षोल्लास के साथ तुलसी विवाह कर एवं दीपदान कर कार्तिक मास के पावन पर्व की बधाई दी7

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478